■ अमरावती, गडचिरोली, चंद्रपुर, गोंदिया, भंडारा ■ वर्ष - ११ ■ अंक १८५ ■ मंगलवार, दि. २६ मई २०२६ ■ डाक - बुधवार, दि. २७ मई २०२६ ■ पृष्ठ ८ ■ मूल्य २ रु.

सांध्य दैनिक

विदर्भ की दहाड़

महानगर का अखबार हूँ.. सच लिखता हूँ

E-mail - amtdahad@gmail.com

संपादक - सुनील एम. सचदेव मो. ९४२२६६६८२७

रेत चोरी मामले में लाखों का माल जब्त

तिवसा, २६ मई - थाना क्षेत्र के ग्राम तलेगांव ठाकुर से रेत चोरी का मामला सामने आया है। ट्रैक्टर चालक नरेंद्र महादेव सपाटे तथा ट्रैक्टर मालक जगदीश बोडखे ने अपने ट्रैक्टर में रेती ले जाते हुए नरेंद्र तथा जगदीश को रोका व दोनों से उनके ट्रैक्टर में ले जाई जा रही रेती के संदर्भ में रॉयल्टी मांगी। परंतु उपरोक्त दोनों ने रॉयल्टी ना होने की बात कही। जिस पर दोनों को ट्रैक्टर सहित थाने लाया गया। ट्रैक्टर में एक ब्रास रेती तथा ५ हजार रुपये ट्रैक्टर की कीमत ऐसा रेती सहित जब्त ट्रैक्टर की कीमत ५ लाख ४ हजार रुपये बताई गई है।

महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा नाबालिग लड़कियां लापता

बच्चों के खिलाफ अपराधों में भी राज्य देश में अव्वल

मुंबई, २६ मई- महाराष्ट्र में नाबालिग लड़कियों के लापता होने के बढ़ते मामलों ने चिंता बढ़ा दी है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो की वर्ष २०२४ की रिपोर्ट के विश्लेषण से सामने आया है कि राज्य में लापता होने वाले बच्चों में लड़कियों की संख्या सबसे अधिक है। रिपोर्ट के अनुसार महाराष्ट्र में लापता बच्चों में ५७.१ प्रतिशत लड़कियां हैं, जिससे राज्य की बाल सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खडे हो गए हैं।

यह विश्लेषण चाइल्ड राइट्स एंड यू संस्था द्वारा किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार देशभर में बच्चों के खिलाफ अपराधों के मामलों में पिछले एक दशक में भारी वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष २०२४ में देशभर में बच्चों के खिलाफ १ लाख ८७ हजार ७०२ मामले दर्ज किए गए। यानी औसतन हर दिन ५१४ से अधिक और हर घंटे २१ से अधिक बच्चों के खिलाफ अपराध हुए।

आंकड़ों के अनुसार वर्ष २०१४ की तुलना में २०२४ तक बच्चों के खिलाफ अपराधों में लगभग ११० प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। कोविड काल के दौरान मामलों में कुछ कमी देखी गई थी, लेकिन उसके बाद अपराधों का ग्राफ फिर तेजी से बढ़ा है।

देशभर में बढ़े लापता बच्चों के मामले

रिपोर्ट के अनुसार वर्ष २०२३ में देशभर में १ लाख ३८ हजार ६०९ बच्चों के लापता होने के मामले सामने आए थे, जबकि २०२४ में यह संख्या बढ़कर १ लाख ४७ हजार १७५ हो गई। यानी एक वर्ष में ६.२ प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई।

सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि राष्ट्रीय स्तर पर वर्ष २०२४ में लापता हुए बच्चों में ७५.६ प्रतिशत लड़कियां थीं। लापता लड़कियों के मामलों में ८.४ प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि लड़कों के मामलों में मामूली कमी दर्ज ***शेष पृष्ठ ८ पर***

महाराष्ट्र में लड़कियों की स्थिति ज्यादा चिंताजनक

महाराष्ट्र में वर्ष २०२४ के दौरान ३ हजार ४९५ नए लापता बच्चों के मामले दर्ज किए गए। वहीं पुराने लंबित मामलों को जोड़ने पर यह संख्या ५ हजार ५४० तक पहुंच गई। इनमें २ हजार ५७ लड़कियां और १ हजार ४३८ लड़के शामिल हैं। सक्रिय मामलों में ३ हजार १६५ लड़कियां, २ हजार ३७२ लड़के और ३ तृतीयपंथी बच्चे शामिल थे। यह आंकड़े राज्य में लड़कियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता पैदा कर रहे हैं।

पीएम मोदी और फडणवीस बेईमान...नालायक

हर्षवर्धन सपकाल की फिसली जुबान

मुंबई, २६ मई- महाराष्ट्र में प्याज उत्पादक किसानों की स्थिति और न्यूनतम समर्थन मूल्य की मांग को लेकर राजनीति गरमा गई है। नासिक के चांदवड़ में किसानों ने प्याज के लिए २४ रुपये प्रति किलोग्राम के न्यूनतम गारंटीकृत मूल्य और बेचे गए प्याज पर १५ रुपये की सब्सिडी की मुख्य मांगों को लेकर हाईवे जाम कर दिया था। आंदोलन को धार देने पहुंचे कांग्रेस नेता हर्षवर्धन सपकाल ने मंच से बोलते हुए मर्यादा की सारी सीमाएं लांघ दीं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर बेहद आक्रामक और आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल करते हुए उनके लिए बेईमान और नालायक जैसे शब्दों का प्रयोग किया।

हर्षवर्धन सपकाल ने अपने भाषण में कहा कि साल २०१४ में मनमोहन सिंह सरकार के समय प्याज के जो दाम ३००० रुपये थे, वे आज इस सरकार की गलत नीतियों के कारण पूरी तरह गिर चुके हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को भी गद्दार और खोटा कहते हुए आरोप लगाया कि सरकार ने पहले प्याज की कीमत २४०० रुपये देने का वादा किया था और अब पलटकर १२०० रुपये की बात कर रही है।

भाषण के दौरान सपकाल ने केंद्र सरकार की विदेश नीति पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना जब भारत से प्याज मांग रही थीं, तब केंद्र सरकार ने निर्यात पर अचानक रोक लगा दी। इसके कारण बांग्लादेश, श्रीलंका और ईरान जैसे देशों ने भारत से प्याज खरीदना बंद कर दूसरे देशों का रुख कर लिया। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को भांडकुदळ (झगडालू) बताते हुए कहा कि जब तक केंद्र में यह सरकार है, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कोई भी देश भारत के किसानों का प्याज आयात करने को तैयार नहीं होगा। एक तरफ जहां मंच से भड़काऊ भाषण दिए जा रहे थे, वहीं दूसरी तरफ हाईवे पर आंदोलनकारियों का गुस्सा अनियंत्रित हो गया। सैकड़ों की तादाद में किसान सड़कों पर खडी गाड़ियों की ओर दौड़ पड़े और कुछ गाड़ियों की हवा निकालने की कोशिश की गई। माहौल ***शेष पृष्ठ ८ पर***

औंढा नागनाथ भक्त निवास में मिला पुलिस उपनिरीक्षक का शव

हिंगोली, २६ मई- हिंगोली पुलिस विभाग से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। औंढा नागनाथ शहर स्थित मंदिर संस्थान के भक्त निवास में एक पुलिस उपनिरीक्षक का शव मिलने से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। मृत अधिकारी की पहचान ज्ञानेश्वर कदम के रुप में हुई है।

जानकारी के अनुसार ज्ञानेश्वर कदम पिछले लगभग ११ महीनों से औंढा नागनाथ शहर पुलिस स्टेशन में कार्यरत थे। वे मंदिर परिसर में भी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे थे। हालांकि उनकी मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है और पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

पुलिस विभाग में मचा हड़कंप

बताया जा रहा है कि सोमवार शाम भक्त निवास की एक कमरे से तेज दुर्गंध आने पर स्थानीय लोगों को संदेह हुआ। इसके बाद इसकी सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच की तो कमरे में पुलिस उपनिरीक्षक ज्ञानेश्वर कदम का शव मिला, जिसके बाद यह घटना सामने आई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, ड्यूटी पूरी करने के बाद वे विश्राम के लिए भक्त निवास में गए होंगे और वहीं उनकी ***शेष पृष्ठ ८ पर***

बोरव्हा में मवेशी चराने गए युवकों पर तेंदुए का हमला

प्रतिनिधि, विदर्भ की दहाड

अकोला, २६ मई- जिले के तेल्हारा तहसील के हिवरखेड के समीप बोरव्हा गांव के पास नाले में मवेशी चराने गए दो युवकों पर तेंदुए ने अचानक हमला कर दिया। इस हमले में एक युवक गंभीर रुप से घायल हुआ है, जिसे आगे के उपचार के लिए अकोला लाया गया। सूत्रों के अनुसार, दोनों युवक मवेशी चराने नाले के किनारे गए थे।

तभी दबे पांव बैठे तेंदुए ने उन पर हमला कर दिया। वन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी तुरंत मौके पर पहुंचे और पंचनामा कर निरीक्षण किया। इस घटना से पूरे क्षेत्र में तेंदुए की दहशत फैल गई है और ग्रामीणों में भय का वातावरण है। वन विभाग ने नागरिकों से सतर्क रहने की अपील की है तथा बताया है कि तेंदुए की

एक गंभीर रुप से घायल, अस्पताल में भर्ती

बालापुर में तेंदुए की मौजूदगी से दहशत

बालापुर तहसील के बटवाडी बु गांव में किसान कार्तिक आखरे के केले के बगीचे में तेंदुए के देखे जाने की सूचना मिलते ही वन विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और गहन खोजबीन की। वनपरिक्षेत्र अधिकारी के मार्गदर्शन में वनरक्षक एस.एस. तायडे, एन.एस. सालवे, वाहन चालक यशपाल इंगोले और तुषार आवारे ने बगीचे में तेंदुए की तलाश की।

गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है।

ग्रामीणों ने प्रशासन से सुरक्षा उपाय बढ़ाने की मांग की है और कहा है कि वन विभाग क्षेत्र में तेंदुए के आने की सूचना पहले ही जारी करे ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

हिरन के अवशेष मिले

हालांकि तेंदुआ सीधे दिखाई नहीं दिया, लेकिन हिरन का शिकार किए जाने के प्रमाण और उसके अवशेष मिले। साथ ही गीली जमीन ***शेष पृष्ठ ८ पर***

दिग्रस में खनिज माफियाओं का आतंक

राजस्व अधिकारियों पर जेसीबी चढ़ाने की कोशिश, १२ पर एफआईआर

प्रतिनिधि, विदर्भ की दहाड

यवतमाल, २६ मई- जिले के अंतर्गत आने वाले दिग्रस तहसील के वसंत नगर से चितपातर रोड परिसर में अवैध गौण खनिज उत्खनन और उसके अवैध परिवहन का एक बेहद गंभीर मामला सामने आया है। इस बार रेत और मुरुम माफिया का हौसला इतना बढ़ गया कि मौके पर कानूनी कार्रवाई करने पहुंचे महसूल (राजस्व) विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों पर सीधे जेसीबी मशीन चढ़ाकर उन्हें जान से मारने की कोशिश की गई। इस खौफनाक और दुस्साहसिक वारदात से पूरे प्रशासनिक महकमे सहित तहसील में भारी हड़कंप मच गया है। दिग्रस पुलिस ने इस मामले में मुख्य आरोपी सहित कुल १२ लोगों के खिलाफ विभिन्न गंभीर धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर लिया है।

रात के अंधेरे में चल रहा था अवैध मुरुम उत्खनन

प्राप्त जानकारी के अनुसार, २३ मई की रात लगभग ११.३० बजे के दौरान अंतरगांव से चिंचोली मार्ग पर बड़े पैमाने पर अवैध रूप से मुरुम का उत्खनन और परिवहन किए जाने की गोपनीय सूचना महसूल विभाग को मिली थी। इस सटीक सूचना के आधार पर राजस्व विभाग की एक विशेष टीम गठित की गई। इस टीम में मंडल अधिकारी मोहम्मद शरीफ शेख मुनाफ, ग्राम महसूल अधिकारी अशोक सावले तथा मयूर चौधरी तत्काल निजी वाहन से घटनास्थल पर पहुंचे।जांच के ***शेष पृष्ठ ८ पर***

कागजात मांगने पर भड़के आरोपी, अधिकारियों पर चढ़ाई जेसीबी

महसूल अधिकारियों ने जब वाहनों को रोककर उनके चालकों से इस उत्खनन से संबंधित सरकारी अनुमति पत्र, रॉयल्टी रसीद और अन्य वैध दस्तावेजों की मांग की, तो आरोपी कोई भी वैध कागजात प्रस्तुत करने में पूरी तरह असफल रहे। इसके बाद जब अधिकारियों ने नियमों के तहत वाहनों को जब्त करने के लिए पंचनामा की कागजी प्रक्रिया शुरूकरने का प्रयास किया, तो वहां मौजूद वाहन चालक और उनके साथी अचानक बेहद आक्रामक हो गए।

झमाझम बारिश से बदला मौसम

नौतपा के बीच गर्मी से राहत

प्रतिनिधि, विदर्भ की दहाड

अमरावती, २६ मई - विगत दो दिनो से नौतपा शुरू होने से भयंकर गर्मी ने लोगो का जिना मुहाल कर दिया है। भयानक गर्मी के आगे एसी, कुलर, पंखे बेअसर साबित हो रहे है। सुरज आग उगल रहा है। घर से बाहर निकलने पर चटके महसुस हो रहे है। मंगलवार की दोपहर अचानक मौसम ने करवट ले ली। झमाझम बारीश से मौसम बदला और नौतपा के बीच लोगो को राहत महसुस हुई।

भीषण गर्मी के चलते लोग तपती भट्टी मे दहकने लगे थे। नौतपा मे जिना बेहाल हो गया था। मौसम विभाग के अनुमान के मुताबिक मंगलवार की दोपहर आसमान मे काले बादल मंडराये। अचानक झमाझम बारीश शुरू हुई। बारीश शुरू होते ही लोगो को लू और भयंकर गर्मी से राहत मिली। तापमान भी लुढक गया। मौसम करवट लेने के बाद ५ डिग्री तापमान कमी दर्ज किया गया। विगत कुछ दिनो से सबसे गर्म शहरो मे अमरावती का शुमार था। दोपहर मे सडके सुनसान हो जाती थी। मानसुन केरल मे दस्तक देने जा रहा है। मानसुन पूर्व फुहारो ने शहर व जिले का मौसम बदल दिया। आगामी दिनो मे भी हल्की व मध्यम बारीश होने की संभावना मौसम विभाग ने व्यक्त की है।

फुहारो का आनंद

भीषण गर्मी से लोग पसीने से तर बतर हो रहे थे। चिपचिपाते पसीने से लोग हलाकान हो गये थे। दोपहर को हल्की बुंदा बांदी के बाद झमाझम बारीश होने से लोगो ने फुहारो का स्वागत किया। बारीश के बाद तापमान मे भी गिरावट आने से भीषण गर्मी से लोगो को राहत मिली।

जेल सुरक्षा व्यवस्था पर बड़ा सवाल

कैदियों संग अधिकारियों की कथित शराब पार्टी का वीडियो वायरल

नाशिक, २६ मई- महाराष्ट्र की जेल सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खडे करने वाला एक चौंकाने वाला मामला नाशिक से सामने आया है। नाशिक रोड मध्यवर्ती कारागार में एक जमानत पर छूटे आरोपी के साथ जेल के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा कथित रुप से शराब पार्टी किए जाने का मामला सामने आने के बाद प्रशासनिक हलकों में हड़कंप मच गया है। इस कथित घटना का वीडियो वायरल होने के बाद कारागृह प्रशासन ने संबंधित अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। जानकारी

के अनुसार, जेल विभाग के अधिकारी हिरालाल भामरे, अशोक मलवाड और जगदीश ढुमणे पर आरोपी गौरव मिश्रा के साथ पार्टी करने के आरोप लगे हैं। वायरल वीडियो सामने आने के बाद इस मामले ने तूल पकड़ लिया है। अधिकारियों पर सेवा नियमों के उल्लंघन और कर्तव्य में लापरवाही के आरोपों को लेकर सात दिनों केभीतर स्पष्टीकरण देने के निर्देश दिए गए हैं।

गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करे

प्रतिनिधि, विदर्भ की दहाड

अमरावती, २६ मई - गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने और गो हत्या प्रतिबंधक कानुन पर कडाई से अमल करने की मांग कांग्रेस अल्पसंख्याक सेल के जिला अध्यक्ष मुक्कदर पठान ने करते हुए प्रशासन के माध्यम से राष्ट्रपती को पत्र लिखा।

कांग्रेस अल्पसंख्याक सेल की मांग

पत्र मे बताया की महाराष्ट्र व अमरावती जिले मे जानबुझकर गो हत्या मामले मे सामाजिक दरार पैदा की जाती है। कुछ असामाजिकतत्व माहौल खराब कर मुस्लिम समाज को टारगेट करते है। गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित किया गया तो यह समस्या हमेशा के लिए हल होगी। मनुष्यवध का अपराध दर्ज करने का प्रावधान ठोकेंगा। जिलाधीश को पत्र सौपते वक्त अब्दुल अलिम, मो.एहफाज, फिरोज खान, अफसर खान, इरफान शाह, गफर शाह, निलेश काळे, सादिक शाह, मुराद शाह, मो शफीक मास्टर, यासिन कुरैशी उपस्थित थे।

संपादकीय

विदर्भ की समस्याएं: वादों से आगे कब बढ़ेगा विकास?

भारत की राजनीति में विदर्भ का नाम आते ही दो बातें सबसे पहले याद आती हैं किसानों की आत्महत्या और अलग विदर्भ राज्य की मांग। दशकों से विदर्भ की समस्याएं चुनावी मंचों पर गूंजती रही हैं, नेताओं के भाषणों में स्थान पाती रही हैं और घोषणापत्रों का हिस्सा बनती रही हैं। हर चुनाव में विकास, उद्योग, सिंचाई, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं के बड़े-बड़े वादे किए जाते हैं, लेकिन चुनाव खत्म होने के बाद यही मुद्दे अक्सर फाइलों और सरकारी घोषणाओं तक सीमित रह जाते हैं। सवाल यह है कि आखिर विदर्भ का विकास वादों से आगे बढ़कर जमीन पर कब दिखाई देगा?

विदर्भ क्षेत्र प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध माना जाता है। चंद्रपुर की कोयला खदानें, गडचिरोली के वन और खनिज संसाधन, नागपुर का भौगोलिक महत्व, अमरावती और अकोला का कृषि क्षेत्रये सभी विकास के मजबूत आधार बन सकते हैं। इसके बावजूद विदर्भ लंबे समय से विकास की दौड़ में अपेक्षाकृत पीछे दिखाई देता है। यह विडंबना है कि संसाधनों से समृद्ध क्षेत्र आज भी मूलभूत समस्याओं से जूझ रहा है।

विदर्भ की सबसे गंभीर समस्या किसानों की है। कपास उत्पादक क्षेत्र के रुप में पहचान रखने वाला विदर्भ लंबे समय से कृषि संकट का सामना कर रहा है। मौसम की अनिश्चितता, बढ़ती उत्पादन लागत, फसलों का उचित मूल्य न मिलना, सिंचाई सुविधाओं की कमी और कर्ज का बोझ किसानों की परेशानियों को लगातार बढ़ा रहा है। सरकारें हर वर्ष राहत पैकेज और योजनाओं की घोषणा करती हैं, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान अभी भी अधूरा दिखाई देता है। किसान आज भी मौसम, बाजार और व्यवस्था तीनों से संघर्ष कर रहा है।

सिंचाई का मुद्दा भी वर्षों से विदर्भ की राजनीति के केंद्र में रहा है। बड़े-बड़े सिंचाई परियोजनाओं की घोषणाएं हुईं, हजारों करोड़ रुपये खर्च होने की बातें सामने आईं, लेकिन आज भी अनेक क्षेत्रों में किसान मानसून पर निर्भर हैं। बरसात कम हुई तो संकट और अधिक गहरा जाता है। सिंचाई घोटाले की चर्चा भी वर्षों तक होती रही, लेकिन इससे आम किसान की स्थिति में कितना बदलाव आया, यह प्रश्न आज भी बना हुआ है।

रोजगार के मोर्चे पर भी तस्वीर बहुत उत्साहजनक नहीं है। उद्योगों के विस्तार और निवेश आकर्षित करने के दावे किए जाते हैं, लेकिन युवाओं का बड़े शहरों की ओर पलायन लगातार जारी है। इंजीनियरिंग, स्नातक और तकनीकी शिक्षाप्राप्त युवा रोजगार के लिए नागपुर, पुणे, मुंबई या दूसरे राज्यों की ओर रुख कर रहे हैं। स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सीमित होने से युवाओं में निराशा बढ़ रही है। जब किसी क्षेत्र का युवा ही वहां भविष्य न देखे, तो विकास की परिकल्पना अधूरी रह जाती है।गडचिरोली जैसे जिलों की स्थिति और भी अलग है। प्राकृतिक संपदा और खनिज संपदा से भरपूर होने के बावजूद वहां विकास और सुरक्षा दोनों की चुनौतियां बनी हुई हैं। सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा और संचार जैसी मूलभूत सुविधाओं की स्थिति सुधारने की आवश्यकता लगातार महसूस की जाती है। विकास केवल बड़े शहरों तक सीमित न रहे, बल्कि अंतिम गांव तक पहुंचे, यही वास्तविक प्रगति की पहचान होगी।स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में भी विदर्भ को अभी लंबा सफर तय करना है। ग्रामीण क्षेत्रों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी, अस्पतालों में संसाधनों का अभाव, स्कूलों और कॉलेजों में सुविधाओं की कमी तथा दूरदराज क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक सीमित पहुंच विकास के दावों पर सवाल ख़डे करती है।

कामकाजी बोझ के बीच दफ्तर में तुरत फुरत योग से राहत

व्यस्त जीवनशैली व ऑफिस में घंटों लगातार सामने बैठना, टारगेट्स और नोटिफिकेशन का जवाब देने का दबाव इसका असर हमारे शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य पर होता है। हरेक पेशेवर शाम तक काम करने के बाद थकावट महसूस करता है। ऐसे में तरोताजा रहने के लिए ऑफिस में ही किसी तुरतफुरत गतिविधि की जरूरत है। इसीलिए आजकल क्विक ऑफिस योगा ट्रेंड में है। कुल ५१० मिनट में छोटेछोटे योग अभ्यास जिसमें स्ट्रेचिंग, गहरी सांस लेना, आंखों को आराम देना और हल्के आसन शामिल होते हैं।

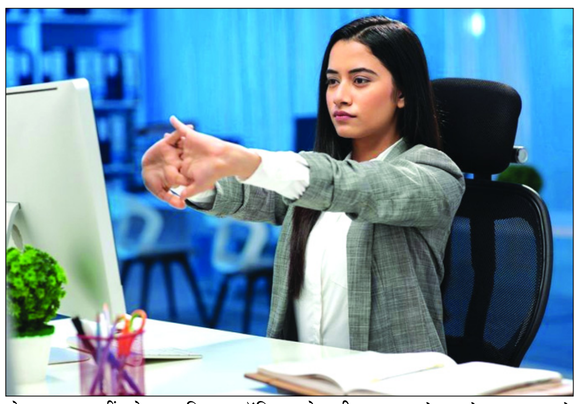

अगर ध्यान से देखें तो सुबह ऑफिस के लिए लोग ऊर्जा से लबालब निकलते हैं, लेकिन शाम को जब वे घर लौटकर आते हैं, तो थके, चिड़चिड़े और मानसिक रूप से खाली हो चुके होते हैं। वास्तव में इसकी वजह हमारी ऑफिस की कार्यसंस्कृति में छिपी है। घंटों लैपटॉप के सामने बैठना, लगातार ८ से १० घंटे तक स्क्रीन को निहारते रहना, मीटिंग पर मीटिंग, टारगेट पर टारगेट और इसी बीच नोटिफिकेशन को देखने और जवाब देने का जो हम पर दबाव रहता है, वही सबसे बड़ा कारण है कि लोग दफ्तरों से घर जाते समय निचुड़ चुके होते हैं। सवाल है आखिर इस समस्या से निजात कैसे पाएं? क्योंकि नौकरी छोड़ना तो विकल्प नहीं है। इस देश में जिस कदर बेरोजगारी है, एक आदमी ढूंढ़ो तो दस नौकरी के लिए तैयार मिलते हैं, इसलिए नौकरी छोड़ना विकल्प नहीं है, तो सवाल है फिर ऑफिस में स्वस्थ कैसे रहें या जब ऑफिस से घर पहुंचें तो तरोताजा कैसे रह सकते हैं? कुछ लोग कहेंगे, रह ही नहीं सकते। मगर यह बात सही नहीं है। बहुत से लोग रहते हैं और इसका बहुत मामूली सा सीकेट हैक्विक ऑफिस योगा।

क्विक ऑफिस योगा कोई लंबाचौड़ा योगा सत्र नहीं होता बल्कि ऑफिस के बीच ५ से १५ मिनट में किये जाने वाले छोटेछोटे योगासन, स्ट्रेचिंग और श्वास अभ्यास हैं, जो शरीर को चुस्त, दुरुस्त रखते हैं और दिमाग को तरोताजा। आज बड़ीबड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों से लेकर, छोटेछोटे स्टार्टअप तक, सब लोग इस सीकेट का इस्तेमाल करने लगे हैं। लोग अब केवल काम नहीं करते बल्कि काम के बीच में ही स्वस्थ बने रहने का उपक्रम भी करते हैं। तो यह भी जानना जरूरी है कि यह योगाभ्यास क्या है, कैसे संभव है और इससे हमें क्याक्या क्विक ऑफिस योगा का मतलब है ऐसे योगासन जिन्हें कुर्सी पर बैठेबैठे किया जा सके। अपने डेस्क के आसपास ख़डे होकर या ऑफिस में ही एक कोने से दूसरे कोने तक टहलकर, महज ५ से ७ मिनट के बीच बल्कि ज्यादातर बार तो ३४ मिनट में ही एक योगा सत्र खत्म हो जाता है। इस तुरतफुरत में किये जाने वाले योगासनों और शरीर को स्वस्थ रखने की जो गतिविधियां शामिल हैं, वो इस प्रकार हैं गर्दन और कंधों की स्ट्रेचिंग, आंखों को आराम देने वाले योगिक अभ्यास, गहरी सांसें और माइंडफुल ब्रीदिंग, पीठ और रीढ़ को रिलैक्स कर देने वाले आसन तथा छोटीमोटी मेडिटेशन की तकनीकें। दरअसल इनका उद्देश्य न तो बॉडी बनाना होता है और न ही खुद को थकाना बल्कि इनका मकसद बॉडी को रिसेट करना होता है। क्विक ऑफिस योगा इसलिए हाल के दिनों में बेहद लोकप्रिय हुआ है, क्योंकि दिनोदिन लंबेलंबे समय तक कुर्सी में बैठकर किए जाने वाले काम बढ़ते जा रहे हैं। साथ में अब छोटे से लेकर बड़े काम तक हर जगह टारगेट का बहुत दबाव है। ऐसे में त्वरित रूप में की जाने वाली योग गतिविधियां महज कुछ घंटों में अपनी वर्किंग चेयर में बैठे हुए ही हमें सिटिंग लाइफस्टाइल के संकट से बचा लेती हैं। इसलिए ये गतिविधियां क्विक योगा के नाम पर हाल के सालों में न केवल खूब लोकप्रिय हुई हैं बल्कि इनकी लोकप्रियता लगातार बढ़ती जा रही है। ऐसा हो भी क्यों न? क्योंकि इन छोटीछोटी गतिविधियों से आप पीठ दर्द, गर्दन की जकड़न, मोटापा और ब्लड सर्कुलेशन की समस्या से बच जाते हैं। डॉक्टर लगातार चेतावनी देते हैं कि लंबे समय तक एक मुद्रा में नहीं बैठना। लेकिन डॉक्टरों का कहना अपनी जगह है, मगर व्यावहारिक समस्या ये है कि अगर कोई आईटी इंजीनियर किसी समस्या के समाधान में लगा हुआ है, तो वह हर आधे घंटे बाद उठकर अपना कंसन्ट्रेशन थोड़े ही तोड़ेगा? अगर कोई बैंक कर्मचारी अपने काउंटर में पब्लिक डीलिंग कर रहा है, तो वह हर ३० मिनट बाद काउंटर बंद तो नहीं कर सकता। इसलिए डॉक्टरों का कहना एक बात है, मगर हकीकत में व्यावहारिक रूप से ये संभव नहीं है। इसलिए अपनी कुर्सी में बैठेबैठे ही ऐसी गतिविधियों की तरफ लोगों का ध्यान गया है, जो न केवल उनको कई तरह की समस्याओं से बचाती हैं, साथ ही स्वस्थ भी रखती हैं। इसलिए ये क्विक ऑफिस योगा तेजी से लोकप्रिय हुआ है। आज जिस तरह की वर्किंग कल्चर है, यह लगातार तनाव बढ़ाती है, विशेषकर कार्पोरेट दुनिया में युवा प्रोफेशनल इस तनाव के कारण अकसर बर्नआउट का शिकार रहते हैं। ये लगातार थकान महसूस करते हैं, मानसिक दबाव में रहते हैं, नींद नहीं आती और इस सबके कारण धूम्रपान की लत लग जाती है। क्विक ऑफिस योगा इन समस्याओं से बचाता है। क्योंकि इसमें शामिल गहरी सांस लेना और माइंडफुलनेस का अभ्यास तनाव के हार्मोन्स को कम करने या खत्म करने में मददगार होते हैं। दरअसल इस व्यस्त लाइफस्टाइल के कारण युवाओं के लिए सप्ताह के पांच वर्किंग दिनों में जिम जाने के लिए भी समय नहीं होता। ऐसे में बिना कपड़े उतारे, बिना किसी उपकरण के जाल में फंसे, ५ से १० मिनट का क्विक ऑफिस योगा बहुत कारगर साबित होता है। जब कोरोना महामारी के दौरान पहली बार लोगों को वर्क फ्रॉम होम यानी घर से काम करने की सुविधा मिली थी, तब लोग बहुत खुश थे। आज पूरी दुनिया में वर्क फ्रॉम होम करने वालों में आधे से ज्यादा लोग इसे नहीं करना चाहते। क्योंकि घर में ऑफिस की तरह न तो काम करने का वातावरण होता है और न ही ऑफिस फर्नीचर। इसलिए वर्क फ्रॉम होम ज्यादा थकाता है। खराब कुर्सी, खराब टेबल के साथ किसी तरह एडजेस्ट करके बैठने पर लगातार पीठ में दर्द, आंखों में थकान और मानसिक अलगाव की स्थिति बनी रहती है। वहीं वर्क फ्रॉम होम में क्विक ऑफिस योगा जैसी न तो सुविधाएं होती हैं और न माहौल होता है।

व्यंग्य: आंटी पुलिस बुला लेगी, सारे काम करा लेगी

कल एक खबर पढ़ी कि पति ने बर्तन नहीं मांजे तो पत्नी ने पुलिस बुला ली न इसका मतलब की होया पापे? मतलब ई होया कि अब पति का बर्तन मांजना उतना ही जरुरी हो गया जितना टैक्सी ड्राइवर का गाड़ी चलाना, तभी जिंदगी की गाड़ी चलेगी वर्ना सावधानी हटी दुर्घटना घटी, इसलिए चकरी पकडी है तो गाड़ी चलाओ वो भी चुपचाप। अब आप कहेंगे कि कार की चकरी से बर्तन मांजने का क्या कनेक्शन है। तो भैये चकरी चाहे कोई भी हो उसका चक्कर ही ऐसा होता है कि रोक नहीं सकते, शादी की शुरुआत भी चक्कर से ही होती है फिर रुकना क्यों ? अब तो चलते चलो फिर चाहे बर्तन मांजना पड़े या साड़ी धोना पड़े मना मत करो, याद है ना चरावेति निरंतरम...रुकना तेरा काम नहीं चलना तेरी शान, लगता है इस कवि ने भी जमकर बर्तन घिसे हैं तभी लिखा है इसमें तेरा गौरव है इसमें तेरी आन... तो भैया रुको मत, इंकार भी मत करो क्योंकि मर्दों की ना का मतलब हां नहीं होता। यह सुविधा सिर्फ नारी जाति को दी गई है। वो चाहे तो इंकार कर सकती है, जो नारियां इंकार करती हैं वो ही इतिहास रचती हैं, ऐसा हमारे महान लोग कहते हैं। ओशो ने भी कहा है कि तरक्की करना है तो ना करना आना चाहिए लेकिन याद रखो ओशो की शादी नहीं हुई थी, ऐसे क्रांतिकारी विचार सिर्फ कुमारों की डिक्शनरी में ही होते हैं। क्योंकि उन्हें बर्तन नहीं मांजने होते वो खुद को ही मांजते रहते हैं। लेकिन पति भाइयों, कुवारों से उतना ही दूर रहो जितना पानी से बिजली। हालांकि यह सही है कि पानी से ही बिजली बनतीं है लेकिन एक बार बिजली बनने के बाद वो फिर पानी से मित्रता नहीं कर सकती वर्ना करंट फैल जाता है ऐसे ही पतियों को कुमारों की बात नहीं मानना चाहिए वर्ना ऐसा झटका लगे जिया पे.... आगे समझ गए ना? तो भैया अपना वर्तमान जनम अच्छे से पूरा करो बाकी जो भी भूल चूक लेनी देनी अगले जनम में देख लियो। क्योंकि सात जनम का फेरा है, ना तेरा है ना मेरा है, ऐसा उसने घेरा है, उसने का मतलब समझ गए न किसने? समझोगे कैसे नहीं आखिर पति जो हो, समझना ही पड़ेगा, नहीं समझे तो भी समझने का नाटक करना पड़ेगा।

तो नाटक करिए लेकिन ना मत करिए वर्ना आंटी पुलिस बुला लेगी.. सारे काम करा लेगी, शादी यूं ही चालेगी। यदि शादी चलाना है तो हाथ भी चलाते रहो बर्तन झाड़ू कपड़े सब परबारी बारी। और एक काम की बात याद रखना जो कोई गुरु नहीं बतायेगा वो आज हम बता रहे हैं कि जब भी साड़ी या सलवार कुर्ता धोएं तो धोकर उन्हें बाथरुम में ही रहने दें, उन्हें बाहर छत पर डालने की गलती ना करें, छत पर डालने का काम मालकिन का है। किसी खास वज़ह से यह पराक्रम वो स्वयं करती हैं। इसलिए उन्हें ही करने दें, उनके काम मे अड़ंगा न लगाएं वर्ना फिर डायल हंड्रेड, आंटी पुलिस बुला लेगी... समझ गए न पार्थ? तुम्हारा सिर्फ कपड़े धोने में ही अधिकार है उनके सुखाने में नहीं, इसलिए सिर्फ कर्म करो परिणाम का चिंतन मत करो और काम को छोटा या बड़ा भी मत समझो। अच्छा बुरा सबको समान समझकर लगे रहो बिना थके, बिना रुके और बिना ठुके। आखिर में एक बात जरुर याद रखना कि विम बार में सौ नींबू की शक्ति है और सर्फ एक्सेल है तो दाग अच्छे हैं...

मुकेश कबीर
विभूति फीचर्स

कल का राशिफल

मेष- कल का दिन घरेलू सामान की खरीदारी से परिवार में खुशी का माहौल बनेगा। ससुराल पक्ष से आर्थिक मदद मिल सकती है, नौकरी में अच्छे अवसर मिलेंगे पारिवारिक पारिवारिक खर्चों में बढ़ोतरी संभव है, सहयोग बना रहेगा। थकान या तनाव हो सकता है, खुद को समय दें। हनुमान जी को गुड़चने का भोग लगाएं।

वृषभ- कल का दिन लाभदायक रहेगा, लेकिन सतर्क रहना जरूरी है। निवेश में जोखिम से बचें, वाहन सुख के योग हैं। पुराने मित्र से मुलाकात में वाणी पर संयम रखें, प्रेम संबंधों में सहयोग दें। ऊर्जा अच्छी रहेगी, खानपान संतुलित रखें। माता लक्ष्मी को सफेद फूल अर्पित करें।

मिथुन - कल का दिन लाभ और उपहार मिलने की संभावना है। नौकरी में सतर्क रहें, सहकर्मियों की गतिविधियों पर नजर रखें। परिवार के साथ अच्छा समय बीतेगा, सहयोग मिलेगा। मानसिक भटकाव से बचें, ध्यान केंद्रित रखें।

कर्क- कल का दिन सकारात्मक रहेगा, नई रूचियों में मन लगेगा। पदोन्नति और शुभ समाचार मिल सकते हैं। पारिवारिक समस्याओं का समाधान संभव है, संतान से प्रसन्नता मिलेगी। सेहत सामान्य, कलात्मक गतिविधियों में रूचि बढ़ेगी।

सिंह- कल का दिन ऊर्जावान और सकारात्मक दिन रहेगा। कारोबार में लाभ और नई योजनाओं पर कार्य संभव है। धार्मिक यात्रा और परिजनों की सहायता का योग। अच्छा भोजन और मानसिक शांति मिलेगी। सूर्य देव को जल में लाल फूल डालकर अर्घ्य दें।

कन्या - कल का दिन मिश्रित रहेगा, संयम जरूरी है। संपत्ति विवाद सुलझ सकता है, खर्च बढ़ सकता है। मांगलिक कार्य का योग है, स्वास्थ्य पर ध्यान दें। पुरानी बीमारियों में सुधार होगा, खानपान नियंत्रित रखें। गाय को हरी घास खिलाएं।

तुला- कल का दिन कार्यक्षेत्र में व्यस्तता और सफलता का दिन। शासनसत्ता से सहयोग मिलेगा, आयव्यय संतुलित रखें। सहयोगी माहौल रहेगा, माता की सेहत का ध्यान रखें। फिट रहेंगे, पर मानसिक थकान हो सकती है।

वृश्चिक - कल का दिन शानदार रहेगा, अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। प्रॉपर्टी से लाभ और काम का दबाव दोनों रहेंगे। बच्चों की उलझनें दूर होंगी, सामंजस्य बना रहेगा। सामान्य रहेगा, वादविवाद से बचें।

धनु- कल का दिन दिन शुभ रहेगा, सोचसमझकर निर्णय लें। शिक्षा, बैंकिंग, निवेश में लाभ का योग है। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा, रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी। मानसिक एकाग्रता से लाभ होगा।

मकर - कल का दिन सफलता से भरा रहेगा। प्रतियोगी परीक्षा में सफलता, नया बिजनेस शुरू करने का योग। भाइयों से चर्चा से लाभ मिलेगा, पुराने काम पूरे होंगे। सेहत सामान्य रहेगी। शनि देव को सरसों के तेल का दीपक जलाएं।

कुंभ - कल का दिन शुभ रहेगा, उलझनें सुलझेंगी। नौकरी में बदलाव और लोन स्वीकृति के योग हैं। पारिवारिक जिम्मेदारियों का अच्छे से निर्वाह करेंगे। दिनचर्या व्यवस्थित रखें।

मीन- कल का दिन लाभकारी रहेगा, परिवार के साथ समय बितेगा। व्यापार विस्तार के योग हैं, सफलता मिलेगी। जीवनसाथी से हल्का मतभेद हो सकता है, पर प्रेम बढ़ेगा। मानसिक ऊर्जा और प्रसन्नता बनी रहेगी। पीले पुष्प विष्णु जी को अर्पित करें।

पेट्रोल मूल्य वृद्धि का विरोधाभास संकट जनता का, कमाई सरकार की

भारत में पेट्रोल की बढ़ती कीमतें अब केवल अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कहानी नहीं रह गई हैं। वे सरकारों की उस आर्थिक संरचना का प्रतीक बन चुकी हैं जिसमें ईंधन उपभोक्ता की आवश्यकता कम और राजस्व का सबसे भरोसेमंद स्रोत अधिक दिखाई देता है। आज जब ईरान युद्ध और पश्चिम एशिया के तनाव के कारण पेट्रोल की कीमतें फिर बढ़ रही हैं, तब सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या वास्तव में जनता केवल वैश्विक संकट का बोझ उठा रही है, या फिर उस करव्यवस्था का भी भार झेल रही है जिसने ईंधन को राजस्व मशीन बना दिया है?

भारत जैसे देश में, जहां करोड़ों लोग प्रत्यक्ष कर दायरे में नहीं आते, पेट्रोल-डीजल पर लगाया गया टैक्स सरकारों के लिए सबसे आसान आय का साधन बन गया है। उपभोक्ता हर दिन, हर लीटर के साथ टैक्स देता है, बिना किसी बहस, नोटिस या प्रतिरोध के। यही कारण है कि पेट्रोल की कीमत अब केवल ऊर्जा लागत से तय नहीं होती, उसमें सरकारों की राजकोषीय भूख भी शामिल होती है।

वर्तमान मूल्य वृद्धि इसी विरोधाभास को उजागर करती है। सरकारें कह रही हैं कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल महँगा हो गया है, इसलिए कीमतें बढ़ना स्वाभाविक है। यहतर्क भी आंशिक रुप से ही सही है। भारत लगभग ८५ प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है, इसलिए वैश्विक संकटों का असर यहां पड़ना तय है। लेकिन सवाल यह है कि जब कच्चा तेल सस्ता हुआ था तब जनता को उसी अनुपात में राहत क्यों नहीं मिली?

कोविड काल और उसके बाद कई महीनों तक अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतें ऐतिहासिक रुप से नीचे चली गई थीं। उस समय जनता को उम्मीद थी कि पेट्रोलडीजल सस्ते होंगे, लेकिन हुआ उल्टा। केंद्र सरकार ने एक्साइज ड्यूटी बढ़ाई, और राज्यों ने वैट (मूल्य वर्धित टैक्स) बनाए रखा और पेट्रोल के दाम ऊंचे ही बने रहे। सरकारों का राजस्व बढ़ता गया, जबकि उपभोक्ता राहत की प्रतीक्षा करता रहा। यहीं से ऊर्जा लागत मॉडल और राजस्व मॉडल का अंतर स्पष्ट होता है।

ऊर्जा लागत मॉडल कहता है कि ईंधन की कीमत मुख्यतः तेल की वास्तविक लागत से तय होनी चाहिए। लेकिन राजस्व मॉडल में ईंधन सरकार के बजट संतुलन का उपकरण बन जाता है। भारत में धीरेधीरे यही हुआ है।

आज भी पेट्रोल की कीमत का बड़ा हिस्सा टैक्स है। यदि पेट्रोल का वास्तविक बेस प्राइस लगभग ५५ से ६० रुपए प्रति लीटर है, तो उपभोक्ता पंप पर ११० रुपए के आसपास भुगतान करता है। यानी वह केवल पेट्रोल नहीं खरीद रहा है, बल्कि भारी करव्यवस्था का वित्त पोषण भी खरीद रहा है। सबसे बड़ा विरोधाभास तब दिखाई देता है जब सरकारें एक ओर जनता से खर्च कम करने, सादगी अपनाने और वैश्विक संकट सहने की अपील करती हैं, वहीं दूसरी ओर पेट्रोलडीजल को राजस्व संग्रह के स्थायी साधन की तरह इस्तेमाल करती रहती हैं। यदि वास्तव में संकट साझा है, तो उसका बोझ केवल उपभोक्ता पर क्यों डाला जाए? टैक्स संरचना में स्वतः कमी क्यों नहीं आती?

यह भी ध्यान देने योग्य है कि पेट्रोल-डीजल पर टैक्स एक प्रतिगामी कर (रिग्रेसिव टैक्स) की तरह काम करता है। अमीर और गरीब दोनों एक लीटर पेट्रोल पर लगभग समान टैक्स देते हैं। लेकिन उसका वास्तविक बोझ गरीब और मध्यवर्ग पर अधिक पड़ता है। डीजल महंगा होते ही परिवहन महंगा होता है, और फिर खाद्यान्न से लेकर निर्माण सामग्री तक सबकी कीमतें बढ़ जाती हैं। यानी ईंधन मूल्य वृद्धि केवल वाहन चलाने वालों की समस्या नहीं रहती , वह पूरी अर्थव्यवस्था में महंगाई का दबाव पैदा करती है।

सरकारों का तर्क है कि इसी राजस्व से सड़कें बनती हैं, कल्याणकारी योजनाएं चलती हैं और राजकोषीय घाटा नियंत्रित होता है। यह तर्क पूरी तरह गलत नहीं है। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या जनता को यह अधिकार नहीं होना चाहिए कि जब अंतरराष्ट्रीय बाजार राहत दे, तब उसका लाभ सीधे उपभोक्ता तक पहुंचे? और यदि संकट के समय जनता से त्याग अपेक्षित है, तो क्या सरकारों को भी अपने कर ढाँचे में लचीलापन नहीं दिखाना चाहिए?

वर्तमान पेट्रोल मूल्य वृद्धि केवल एक आर्थिक घटना नहीं है, यह उस नीतिदर्शन का प्रतिबिंब है जिसमें ईंधन को जीवन की आवश्यकता कम और राजस्व के अवसर के रुप में अधिक देखा जाने लगा है। जब तक पेट्रोल-डीजल को स्थायी कर स्रोत की तरह इस्तेमाल किया जाता रहेगा, तब तक हर वैश्विक संकट का पहला और सबसे भारी असर आम भारतीय नागरिक की जेब पर ही पड़ेगा।

भूपेन्द्र गुप्ता
विभूति फीचर्स

विदर्भ की दहाड

यह पत्र मुद्रक, प्रकाशक, मालक एवं संपादक सुनिल माघनमल सचदेव द्वारा प्रतिक प्रिंटर्स, रॉयली प्लाट अमरावती ४४४६०१ (महाराष्ट्र) यहां से छपवाकर कार्यालय चौबड प्लाट, अंबाडेकर वाडा, नंदा मार्केट के सामने, राजापेठ, अमरावती, ४४४६०६ (महाराष्ट्र) यहां से प्रकाशित किया। इस पत्र में प्रकाशित होनेवाले विभिन्न लेख, पत्र, साहित्य, लेखकों, कवियों आदि के विचारों या तथ्यों पर आधारित होते है। इन लेखकों के विचारों अथवा तथ्यों से संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। सभी विवाद अमरावती न्यायालय अंतर्गत। मो.९४२२६६६८२७,

Postal Rg. No. AMT/RNP/446/2026-28 RNI No. : MAHHIN/2015/67955 (HARD COPY-B/W, PDF- COLOUR)

७.८७ लाख की चोरी मामले में घर की नौकरानी गिरफ्तार

५ लाख रुपये नकद बरामद

प्रतिनिधि, विदर्भ की दहाड

अकोला, २६ मई- पुलिस स्टेशन रामदास पेठ, अकोला की एक बड़ी और त्वरित कार्रवाई में घर में काम करने वाली नौकरानी को चोरी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपी महिला के पास से चोरी की गई कुल ७,८७,५९० रुपये की नकदी में से ५,००,००० रुपये (पांच लाख रुपये) का माल बेहद सूझबूझ और चालाकी से महज कुछ ही घंटों के भीतर बरामद कर लिया है। इस मामले में २३ मई २०२६ को शिकायतकर्ता सिद्धार्थ शिवप्रकाश रुहाटिया (उम्र ४१ वर्ष, निवासी ६ बंगला, जोशी हॉस्पिटल के सामने, दुर्गा चौक, अकोला) ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। सिद्धार्थ रुहाटिया कालूराम फूड प्रोडक्ट प्राइवेट लिमिटेड और नर्मदा साल्वेक्स प्राइवेट लिमिटेड नाम से इंडस्ट्रीज चलाते हैं। उन्होंने अपनी शिकायत में बताया कि पिछले तीन महीनों से उन्होंने घर के काम के लिए एक महिला को काम पर रखा था, जो रोज सुबह ११ बजे से दोपहर करीब २ बजे तक काम करती थी। २१ मई २०२६ की रात करीब १० बजे उन्होंने अपने व्यवसाय की ७,८७,५९० रुपये की नकदी अपने रिश्तेदार की देखरेख करने वाले महेंद्र शर्मा के हाथों घर भिजवाई थी, जिसे उनकी मां ने अपने कमरे की अलमारी में रख दिया था। जब २३ मई की सुबह करीब ११ बजे सिद्धार्थ ने अपनी मां से वे पैसे मांगे, तो अलमारी में जांच करने पर रकम गायब मिली। इसके बाद जब घर के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए, तो उसमें काम करने वाली महिला की हरकतें बेहद संदिग्ध दिखाई दीं। इससे यह पक्का हो गया कि चोरी उसी महिला ने की है। शिकायतकर्ता की इस रिपोर्ट के आधार पर पुलिस स्टेशन रामदास पेठ, अकोला में अपराध क्रमांक ३९०/२०२६ और भारतीय न्याय संहिता की धारा ३०६ के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरूकी गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस निरीक्षक शिरीष सावळाराम खंडारे ने तुरंत एक विशेष टीम का गठन किया। जब उससे सख्ती से पूछताछ की गई, तो उसने चोरी की बात कबूल कर ली। इसके बाद पुलिस ने अपनी कुशलता से आरोपी महिला के पास से ५,००,००० रुपये की नकदी बरामद करने में सफलता हासिल की और मामले का पर्दाफाश कर दिया। पुलिस अब इस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है। इस शानदार और त्वरित कार्रवाई को अकोला के पुलिस अधीक्षक श्री अर्चित चांडक, अपर पुलिस अधीक्षक श्री चंद्रकांत रेड्डी और उपविभागीय पुलिस अधिकारी (शहर प्रभाग) सुदर्शन पाटिल के मार्गदर्शन में अंजाम दिया गया। इस कार्रवाई को सफल बनाने में पुलिस निरीक्षक शिरीष सावळाराम खंडारे, पुलिस उपनिरीक्षक निलेश गायकवाड, प्रदीप जोगदंड, पुलिस हेड कांस्टेबल सुरेश ना. लांडे, संदीप वानखडे, दादाराव टापरे, अकबर खान (चालक), पुलिस कांस्टेबल इमाम चौधरी, रोशन पटले और महिला पुलिस कांस्टेबल वैशाली रामेकर ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

ओमप्रकाश बियाणी को मातृशोक

अमरावती, २६ मई - ओमप्रकाश व विजयकुमार की माताजी श्रीमती लीलाबाई हरगोविन्दजी बियाणी का रविवार २४ मई को स्वर्गवास हुआ। जिनकी अंतिम यात्रा सोमवार २५ मई को सुबह १०.३० बजे निवासस्थान श्रा राधा कृष्ण कुंज, गावंडे ले आउट, सातूर्णा से निकाली गई। हिंदु स्मशान भूमि में उनका अंतिम संस्कार किया गया।

भजन मंडलों को मिला आधुनिक साहित्य

सांसद डॉ. अनिल बोंडे के हाथों वितरण समारोह संपन्न

संवाददाता, विदर्भ की दहाड

दर्यापुर, २६ मई- ग्रामीण संस्कृति और भक्ति परंपरा को मजबूत करने के उद्देश्य से सांसद डॉ. अनिल बोंडे की पहल को बड़ी सफलता मिली है। उनके हस्ते येवदा और वडनेर गंगाई क्षेत्र के विभिन्न भजन मंडलों को आवश्यक भजन साहित्य का वितरण किया गया। इस पहल से ग्रामीण क्षेत्रों में भक्ति संगीत और सांस्कृतिक परंपराओं को नया प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

कार्यक्रम के दौरान येवदा स्थित जय गुरुदेव भजन मंडल, जय वळेखन भजन मंडल तथा वडनेर गंगाई के अरबाडी भजन मंडल को आधुनिक उपकरण और अन्य आवश्यक सामग्री प्रदान की गई। वितरित किए गए साहित्य में उच्च गुणवत्ता वाले माइक्रोफोन, भोंगे, स्पीकर, एम्प्लिफायर, चटाई और अन्य उपयोगी सामग्री शामिल रही। बताया गया कि ग्रामीण क्षेत्रों के भजन मंडलों को आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सांसद डॉ. अनिल बोंडे लंबे समय से प्रयासरत थे। स्थानीय लोगों ने इसे उनके निरंतर प्रयासों का सकारात्मक परिणाम बताया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर बालासाहेब वानखडे, पूर्व जिला परिषद स्वास्थ्य सभापति बालासाहेब हिंगणीकर, कृषि उपज मंडी समिति दर्यापुर के संचालक मनीष कोरपे सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद डॉ. अनिल बोंडे ने कहा कि ग्रामीण महाराष्ट्र में भजन और कीर्तन केवल धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि सामाजिक एकता और सांस्कृतिक चेतना का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि आधुनिक साहित्य मिलने से मंडलों का उत्साह बढ़ेगा और भविष्य में भी ऐसे सांस्कृतिक उपक्रमों को समर्थन मिलता रहेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि इस प्रकार के प्रयासों से ग्रामीण क्षेत्रों में भक्ति परंपरा और सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी।

महापौर तेजवानी की सिटी बस संदर्भ में चर्चा

सेवा पूर्ववत रहेंगी जारी

प्रतिनिधि, विदर्भ की दहाड़

अमरावती, २६ मई - सिटी बस सेवा के ठेकेदारों का कारार समाप्त होने की पार्श्वभूमी पर महापौर श्रीचंद तेजवानी ने स्व. सुदामकाका देशमुख सभागृह में महत्वपूर्ण चर्चा की। शहर के सार्वजनिक यातायात व्यवस्था सुचारु रखने के लिये आयोजित की गई। बैठक में उपमहापौर सचिन भेंडे, सभापति अविनाश मार्डीकर, चेतन गावंडे, विलास इंगोले, शेख हमीद शेख वाहेद, पार्षद एड. प्रशांत देशपांडे तथा सिटी बस सेवा प्रतिनिधी उपस्थित थे। शहरबस सेवा का वर्तमान ठेका समाप्त होने के चलते अगली कार्रवाई किस तरह की जाएं, इस संदर्भ में बैठक दौरान विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। हजारों नागरिक रोजाना शहरबस सेवा का उपयोग करने से यह सेवा अखंडित प्रारंभ रहना काफी जरुरी रहने का विचार इस दौरान व्यक्त किया गया। विशेष बात है कि मजदूर, विद्यार्थी, महिला, आम नागरिक के लिये सिटी बस सेवा काफी सुविधाजनक रहने से किसी भी परिस्थिती में सेवा बंद ना हो इस बात पर जोर दिया गया। फिलहाल आचार संहिता लागू रहने से सिटी बस के नए करार संदर्भ में प्रक्रिया तथा निर्णय तत्काल संभव न होने से बैठक में स्पष्ट किया गया। जिसके चलते चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक वर्तमान व्यवस्था में ही सिटी बस सेवा शुरु रखने की सुचना दी गई।

पुलिस आयुक्तालय में प्रशासकिय फेरबदल

डीसीपी शाम घुगे और रमेश धुमाळ को अतिरिक्त प्रभार

प्रतिनिधि, विदर्भ की दहाड़

अमरावती, २६ मई - शहर पुलिस आयुक्तालय में प्रशासनिक स्तर पर महत्वपूर्ण फेरबदल किए गये है। महाराष्ट्र शासन गृह विभाग के आदेश के बाद पुलिस उपायुक्त स्तर पर अतिरिक्त प्रभार सौंपे गए है।

जानकारी के अनुसार महाराष्ट्र शासन गृह विभाग के आदेश के तहत १५ मई को डीसीपी गणेश शिंदे का तबादला किया गया है। इसके चलते उन्हें १७ मई को शहर पुलिस आयुक्तालय से कार्यमुक्त कर दिया गया। इसके बाद प्रशासनिक कामकाज सुचारु रुप से चलाने के उद्देश्य से डीसीपी शाम घुगे को अगले आदेश तक अस्थायी रुप से पुलिस उपायुक्त परिमंडल-१ अमरावती शहर का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। यह आदेश शहर पुलिस आयुक्तालय की ओर से जारी किया गया। वही डीसीपी रमेश धुमाळ फिलहाल पुलिस उपायुक्त मुख्यालय का कार्यभार संभाल रहे है। उनके पास अब पुलिस उपायुक्त परिमंडल -२ अमरावती शहर का अतरिक्ति प्रभार भी सौंपा गया है। पुलिस उपायुक्तालय की ओर से संबंधित विभागो और अधिकारियों को निर्देश दिये गये है कि आगामी प्रशासनिक कार्यो और पत्राचार के लिए संबंधित अधिकारियों से संपर्क किया जाए।

डॉ. नरेन्द्र रोंघे के जन्मदिन पर सत्यप्रकाश गुप्ता का सम्मान

कवि सम्मेलन से सजा समारोह

प्रतिनिधि, विदर्भ की दहाड

अमरावती, २६ मई- शहर के प्रख्यात समाजसेवी सत्यप्रकाश देविलाल गुप्ता का सम्मान समारोह तथा चिकित्सा जगत की प्रतिष्ठित हस्ती डॉ. नरेन्द्र भीमराव रोंघे (अध्यक्ष, प्राकृतिक चिकित्सा एंड योगा एसोसिएशन) का जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर भव्य सांस्कृतिक एवं सामाजिक कार्यक्रम तथा कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें साहित्य, कला और सामाजिक क्षेत्र से जुड़ी अनेक हस्तियां उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के दौरान आयोजन समिति द्वारा समाजसेवी सत्यप्रकाश गुप्ता का सम्मान पत्र, पुष्पगुच्छ एवं पुस्तक भेंट कर अभिनंदन किया गया। मंच की ओर से उनके उज्ज्वल भविष्य एवं सफल जीवन यात्रा के लिए शुभकामनाएं व्यक्त की गईं। इस अवसर पर डॉ. साहेबराव बांते, प्राचार्य नारायण नॅचरोपॅथी साइंस कॉलेज, लोकप्रिय लोककवि नानाभाऊ रहमतकार तथा नॅचरोपॅथी फिजीशियन विजय पाटणे द्वारा सम्मान प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। कवि सम्मेलन की अध्यक्षता प्रसिद्ध वऱ्हाडी कवि डॉ. विजय वडगांवकर ने की, जबकि जन्मोत्सव कार्यक्रम की अध्यक्षता मावळा संगठन के संस्थापक अध्यक्ष बाळासाहेब कोराटे ने की। मंच पर नानाभाऊ रहमतकार सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित अतिथियों ने डॉ. नरेन्द्र रोंघे को दीर्घायु एवं उत्तम स्वास्थ्य की शुभकामनाएं देते हुए जन्मदिन की बधाई दी। यह आयोजन केवल जन्मोत्सव तक सीमित न रहकर कला, साहित्य और सामाजिक चेतना के संगम का एक प्रेरणादायी मंच साबित हुआ।

राज्य के ९ करोड़ मतदाताओं का पंजीकरण प्रत्यक्ष जांच

अमरावती, २६ मई - भारत चुनाव आयोग की ओर से देशभर के मतदाताओं के विशेष सखोल पुर्नरिक्षण करने के आदेश दिए गए है। इस मुहिम के तीसरे चरण में राज्य का समावेश किया गया है। राज्य के लगभग ९ करोड़ ८६ लाख मतदाताओं के पंजीकरण प्रत्यक्ष की जांच इस मुहिम व्दारा की जाएंगी। देश में इससे पहले १९५२ से २००४ के दौरान विविध चरणों में इस तरह के पुर्नरिक्षण किए गये है। परंतु पिछले दो दशकों में केवल विशेष संक्षिप्त पुर्नरिक्षण किए गए। बढते शहरीकरण, स्थलांतर तथा दोबारा पंजीकरण संभव रहने के चलते फिर एक बार व्यापक जांच करने का निर्णय लिया गया है। राज्य के क्षेत्रिय यंत्रणा फिलहाल जनगणना के काम में व्यस्त रहने के चलते राज्य के लिए स्वतंत्र समय सारणी घोषित की गई है। यह मुहिम जून २०२६ से प्रारंभ होकर अक्टूबर २०२६ तक पूरी की जाएंगी। २० से २९ जून के दौरान गणना आवेदन की छपाई तथा वोटिंग केंद्र स्तरीय अधिकारियों के प्रशिक्षण होंगे। ३० जून से २९ जुलाई के दौरान बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं की पूर्व जानकारी भरे हुए गणना प्रपत्र वितरित करेंगे। तथा भरे हुए आवेदन स्वीकर करेंगे। ५ अक्टूबर को प्रारुप वोटिंग सुची घोषित की जाएंगी। जिसके बाद ५ अगस्त से ४ सिंतबर के दौरान दावे तथा आपत्ती प्रक्रिया की जाएंगी।

जैन साध्वियों की दुखद मृत्यु पर अमरावती में आक्रोश

दोषियों पर कठोर कार्रवाई की मांग

प्रतिनिधि, विदर्भ की दहाड

अमरावती, २६ मई- मध्य प्रदेश के रीवा में हुए भीषण सड़क हादसे में जैनसमाज की दो पूज्य साध्वियों के निधन के बाद देशभर के जैन समाज में शोक और आक्रोश का माहौल है। इस घटना के विरोध में अमरावती में दिगंबर जैन महासमिति और वात्सल्य फाउंडेशन की ओर से जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की गई।

जानकारी के अनुसार, २० मई २०२५ को मध्य प्रदेश के रीवा में हुए सड़क हादसे में परम पूज्य राष्ट्रसंत आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज की शिष्याएं आर्यिका श्रुतमती माताजी एवं उपशममती माताजी का दुखद निधन हो गया। इस घटना से संपूर्ण जैन समाज गहरे शोक में डूब गया है।

इस घटना को लेकर अमरावती में दिगंबर जैन महासमिति और वात्सल्य फाउंडेशन के पदाधिकारियों एवं समाज के लोगों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में दुर्घटना की निष्पक्ष और गहन जांच कराने तथा दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने की मांग की गई।

जैन समाज का कहना है कि जैन धर्म में साधुसाध्वियों को अत्यंत पूजनीय स्थान प्राप्त है। वे अहिंसा, संयम, त्याग और मानवता का संदेश देते हुए पैदल विहार कर समाज जागरण का कार्य करते हैं। जैन परंपरा के अनुसार वे किसी भी प्रकार के वाहन का उपयोग नहीं करते और निरंतर पदयात्रा करते रहते हैं। समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि ऐसी पूज्य साध्वियों की सड़क दुर्घटना में मृत्यु अत्यंत दुखद और पीड़ादायक है। भविष्य में जैन साधुसाध्वियों के विहार के दौरान उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विशेष सुरक्षा व्यवस्था लागू करने की मांग भी ज्ञापन के माध्यम से की गई। इस दौरान समाज की ओर से नरेंद्र मोदी, अमित शहा तथा पुलिस प्रशासन से इस मामले में तत्काल उचित कार्रवाई की अपेक्षा जताई गई।

ज्ञापन सौंपते समय ब्र. संदीपभैया वैद्य, सतीश संगई, सजल जैन, अभिनंदन पेंढारी, मुकेश जैन, सचिन जैन, अनिल सुराणा, किशोर नखाते, संजय जैन, विनोद खडारे, विवेक फुलबरकर, चंद्रकांत मोदी, सचिन संगई, रुपेश राऊळ, शीतल सिंघवी, अविनाश आग्रेकर, विनोद जैन, नरेश जैन, सुधीर वालचाले, राजेंद्र बनोरे, प्रदीप आग्रेकर सहित जैन समाज के अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित थे।

भीषण गर्मी और बढ़ते हीट स्ट्रोक मामलों के बीच

स्कूल १५ जून के बजाय २६ जून से शुरु करें

शिक्षक समिति ने शिक्षा मंत्री को सौंपा ज्ञापन

प्रतिनिधि, विदर्भ की दहाड

अमरावती, २६ मई- महाराष्ट्र में लगातार बढ़ती गर्मी और हीट स्ट्रोक के मामलों को देखते हुए महाराष्ट्र राज्य प्राथमिक शिक्षक समिति ने राज्य सरकार से स्कूलों का नया शैक्षणिक सत्र १५ जून के बजाय २६ जून २०२६ से शुरु करने की मांग की है। समिति ने इस संबंध में शिक्षा मंत्री को ज्ञापन सौंपते हुए बच्चों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को प्राथमिकता देने की अपील की है।

समिति का कहना है कि हर वर्ष राज्य के अधिकांश हिस्सों में स्कूल १५ जून से शुरू होते हैं, लेकिन वर्ष २०२६ में पूरे महाराष्ट्र, विशेष रुप से विदर्भ, मराठवाड़ा और उत्तर महाराष्ट्र में गर्मी ने विकराल रुप धारण कर लिया है। मई के मध्य में कई जिलों में तापमान ४३ से ४७ डिग्री सेल्सियस तक पहुंच चुका है। समिति ने दावा किया है कि मौसम विभाग द्वारा जून के पहले और दूसरे सप्ताह में भी भीषण लू जारी रहने की चेतावनी दी गई है।

ज्ञापन में कहा गया है कि बढ़ते तापमान के कारण राज्य में हीट स्ट्रोक के मरीजों और उससे होने वाली मौतों केमामलों में चिंताजनक वृद्धि हुई है। शिक्षक समिति के अनुसार, विदर्भ, मराठवाड़ा और उत्तर महाराष्ट्र में बड़ी संख्या में उष्माघात के मामले सामने आए हैं, जबकि कई मरीजों की हालत गंभीर बताई गई है।

समिति ने स्वास्थ्य विभाग के प्राथमिक आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि राज्य में हीट स्ट्रोक के कारण २५ से अधिक लोगों की मौत होने की जानकारी सामने आई है, जिनमें खेत मजदूर, बुजुर्ग और छोटे बच्चे अधिक प्रभावित हुए हैं।

समिति ने सरकार के सामने कई महत्वपूर्ण चिंताएं भी रखी हैं। ५ से १५ वर्ष आयु वर्ग के बच्चों की शारीरिक क्षमता अपेक्षाकृत कमजोर होती है। दोपहर के समय स्कूल से घर लौटते वक्त तेज धूप के कारण डिहाइड्रेशन, चक्कर, उल्टी और हीट स्ट्रोक का खतरा बढ़ सकता है।

कई ग्रामीण और दूरदराज स्कूलों में अभी भी पर्याप्त पंखे, शुद्ध ठंडा पेयजल और ओआरएस जैसी जरुरी सुविधाओं का अभाव है। ऐसे में बच्चों को घंटों कक्षा में बैठाना स्वास्थ्य के लिए जोखिम भरा हो सकता है। बड़ी संख्या में छात्र पैदल, साइकिल या एसटी बस से स्कूल जाते हैं। दोपहर की भीषण गर्मी में यह सफर बच्चों के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। समिति का कहना है कि जून के अंतिम सप्ताह तक मानसून के आगमन के साथ तापमान में कमी आने की संभावना रहती है, इसलिए स्कूलों को २६ जून से शुरु करना ज्यादा सुरक्षित होगा।

समिति ने सुझाव दिया है कि यदि शैक्षणिक दिनों की कमी होती है तो शनिवार या रविवार को अतिरिक्त कक्षाएं लेकर पाठ्यक्रम पूरा किया जा सकता है, लेकिन बच्चों की सुरक्षा से समझौता नहीं किया जाना चाहिए। शिक्षक समिति के राज्याध्यक्ष विजय कोंबे और राज्य सरचिटणीस राजन कोरगावकर ने सरकार से इस मुद्दे पर तत्काल सकारात्मक निर्णय लेने की मांग की है। वहीं समिति के राज्य प्रचार प्रमुख राजेश सावरकर ने जानकारी दी कि इस मांग को लेकर शिक्षक समिति ने मुंबई उच्च न्यायालय नागपुर खंडपीठ में याचिका भी दायर की है, जिसकी अगली सुनवाई ९ जून को प्रस्तावित है।

इरई नदी संरक्षण के लिए मैदान में उतरे विधायक सुधीर मुनगंटीवार

रहमत नगर क्षेत्र का किया निरीक्षण

प्रतिनिधि, विदर्भ की दहाड

चंद्रपुर, २६ मई- चंद्रपुर शहर के रहमत नगर क्षेत्र स्थित इरई नदी के संरक्षण के लिए राज्य के पूर्व वन एवं सांस्कृतिक कार्य मंत्री तथा विधायक सुधीर मुनगंटीवार ने पहल करते हुए नदी परिसर का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया। रामसेतु से चौराला पुल तक प्रथम चरण में सुरक्षा दीवार निर्माण के संदर्भ में उन्होंने संबंधित अधिकारियों के साथ क्षेत्र का दौरा कर आवश्यक उपाययोजनाओं पर विस्तृत चर्चा की।

इरई नदी क्षेत्र के दीर्घकालीन संरक्षण तथा स्थानीय नागरिकों की सुरक्षा के लिए यह योजना महत्वपूर्ण मानी जा रही है। बाढ़ की स्थिति और नदी किनारे संभावित खतरों पर स्थायी समाधान की दिशा में इसे एक अहम कदम माना जा रहा है। इस दौरान विधायक सुधीर मुनगंटीवार ने संबंधित विभाग को सुरक्षा दीवार निर्माण का अनुमान पत्र (एस्टिमेट) तत्काल तैयार करने के निर्देश दिए। साथ ही प्रस्तावित सुरक्षा दीवार के मार्ग और निर्माण की व्याप्ति तय कर संबंधित विभाग के अभियंताओं के साथ विस्तृत चर्चा करने के निर्देश भी दिए।

उन्होंने कहा कि नदी के सकल भाग में मिट्टी भराई कार्य तथा सीमेंट कांक्रीट की पक्की सुरक्षा दीवार निर्माण का अनुमान पत्र आपदा प्रबंधन विभाग के माध्यम से तैयार किया जाए, इसके लिए आवश्यक निधि उपलब्ध कराई जाएगी।

निरीक्षण के दौरान महापौर संगीता खांडेकर, उपमहापौर प्रशांत दानव, स्थायी समिति अध्यक्षा मनस्वी गिरे, नगरसेवक रवि लोणकर, नगरसेवक प्रज्वलंत कडू, नगरसेवक अजहर शेख, नगरसेवक राहुल पावडे, राजीव गोलीवार, डॉ. मंगेश गुलवाडे, चांद सय्यद, ब्रिजभूषण पाझारे, सुरज पेंदुलवार सहित रहमत नगर क्षेत्र के बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित थे।

चंद्रपुर शहर के सर्वांगीण विकास के लिए विधायक सुधीर मुनगंटीवार लगातार पहल कर रहे हैं। नागरिकों की सुरक्षा, बढ़ती जरुरतों और भविष्य की योजनाओं को ध्यान में रखते हुए शहर की आधारभूत सुविधाओं को अधिक मजबूत बनाने पर उनका लगातार जोर रहा है। विकास के प्रत्येक विषय को वे केवल एक कार्य नहीं, बल्कि चंद्रपुर के उज्ज्वल भविष्य की जिम्मेदारी के रुप में देखते हैं, यह बात इस अवसर पर विशेष रुप से सामने आई।

सिंगनपल्ली मार्ग की जर्जर स्थिति

गंभीर समस्या को लेकर जनप्रतिनिधियों की उदासीनता

प्रतिनिधि, विदर्भ की दहाड

गडचिरोली, २६ मई- तहसील के आष्टी-आलापल्ली मार्ग पर बसे सिंगनपल्ली गांव की ओर जाने के लिए अब तक पक्की सड़क नहीं बनी है, जिसके कारण ग्रामीणों को आवागमन करते समय भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लेकिन इस संदर्भ में ग्रामीणों द्वारा जनप्रतिनिधियों का ध्यानाकर्षण कराने के बाद भी जनप्रतिनिधियों द्वारा केवल आश्वासन की खैरात बांटी जा रही है। ग्रामीणों में तीव्र नाराजगी व्यक्त की जाही है। साथ ही तत्काल सड़क निर्माण कराने की मांग सिंगनपल्लीवासियों ने की है। चामोर्शी तहसील के आष्टी-आलापल्ली मार्ग पर स्थित चौड़मपल्ली से सिंगनपल्ली गांव की ओर जानेवाले मार्ग की हालत इन दिनों पूरी तरह खस्ता हो गयी है। आवागमन करने में ग्रामीणों को भारी त्रासदी का सामना करना पड़ रहा है। विशेषतः बारिश के दिनों में यह सड़क पूरी तरह कीचड़मय होती है। जिससे आवागमन करना मुश्किल हो जाता है। सिंगनपल्ली गांव के लोग प्रतिदिन विभिन्न कार्यों के लिए आष्टी में जाते हैं। लेकिन सड़क की हालत खराब होने के कारण ग्रामीणों को मानसिक और शारीरिक रुप से त्रस्त होना पड़ रहा है। उल्लेखनीय है कि, इस मार्ग पर वन्यजीव अभयारण्य होने के कारण सड़क की मरम्मत नहीं की जा रही है। लेकिन सड़क की गिट्टी उखड़ी होने के कारण ग्रामीणों को जानलेवा सफर करना पड़ रहा है।

कोंढाळा रेत घाट से अवैध रेत उत्खनन जोरों पर

नागरिकों की शिकायतों पर प्रशासन की अनदेखी

राजस्व नुकसान का आरोप

संवाददाता, विदर्भ की दहाड

देसाईगंज, २६ मई- तहसील के कोंढाळा स्थित वैनगंगा और शेड्डे के रेत घाटों पर नियमों का उल्लंघन कर बड़े पैमाने पर अवैध रेत उत्खनन किए जाने का गंभीर आरोप नागरिकों ने लगाया है। स्थानीय लोगों द्वारा बारबार शिकायत किए जाने के बावजूद प्रशासन द्वारा अनदेखी किए जाने से राजस्व विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं।

जानकारी के अनुसार, कोंढाळा स्थित वैंगंगा और शेड्डे नदी क्षेत्र के सर्वे नंबर २८० और २८१ में लगभग १.४६ हेक्टेयर क्षेत्र में एक मीटर गहराई तक खुदाई कर ४८०६ ब्रास रेत निकालने की अनुमति दी गई थी। लेकिन वास्तविकता में कई स्थानों पर पांच फीट से अधिक गहराई तक खुदाई कर रेत निकाली जा रही है, ऐसा आरोप ग्रामीणों ने लगाया है। तहसील प्रशासन की तकनीकी उपस्थिति में तय शर्तों के अनुसार उत्खनन होना अपेक्षित था, लेकिन रेत घाट क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अवैध उत्खननजारी होने का दावा नागरिकों ने किया है। साथ ही तलाठी और मंडल अधिकारियों द्वारा नियमित निरीक्षण किए जाने की आवश्यकता होने के बावजूद लापरवाही बरते जाने से रेत माफियाओं को खुली छूट मिलने का आरोप भी लगाया जा रहा है।

ग्रामीणों के अनुसार, रात के समय डोजर और ट्रैक्टरों की मदद से नदी पात्र से भारी मात्रा में रेत निकाली जा रही है। उत्खनन की गई रेत को बिना अनुमति अन्य स्थानों पर बेचे जाने की बात भी सामने आई है। इस बीच, कोंढाळा के दोनों रेत घाटों का लिलाव तत्काल रद्द कर अवैध उत्खनन करने वाले ठेकेदारों पर आपराधिक कार्रवाई करने की मांग ग्रामीणों ने की है। अन्यथा आंदोलन छेड़ने की चेतावनी भी दी गई है।

सरकार द्वारा अवैध रेत उत्खनन रोकने के लिए विशेष उपाययोजना करने के निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों की जिम्मेदारी तय किए जाने के बावजूद स्थानीय प्रशासन की अनदेखी के कारण रेत तस्करी जारी रहने का आरोप लगाया जा रहा है।

भविष्य में कोंढाळा गांव में जलसंकट की आशंका

अवैध उत्खनन के कारण नदी का पात्र अधिक गहरा हो गया है, जिससे आसपास के क्षेत्र में भूजल स्तर नीचे चला गया है। कई कुओं का पानी सूखने की कगार पर है और किसानों को भी भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने भविष्य में कोंढाळा गांव में पीने के पानी की गंभीर समस्या उत्पन्न होने की आशंका व्यक्त की है।

गडचिरोली नगर परिषद उपचुनाव में मुकाबला रोचक

प्रतिनिधि, विदर्भ की दहाड

गडचिरोली, २६ मई- गडचिरोली नगर परिषद के वार्ड क्रमांक ९ की ओबीसी आरक्षित सीट पर होने वाले उपचुनाव ने राजनीतिक माहौल को गर्म कर दिया है। नामांकन दाखिल करने के अंतिम दिन कुल तीन उम्मीदवारों द्वारा पर्चा दाखिल किए जाने के बाद अब इस सीट पर भाजपा, कांग्रेस और एक निर्दलीय उम्मीदवार के बीच त्रिकोणीय मुकाबला तय हो गया है।

शहर में इस चुनाव को प्रतिष्ठा की लड़ाई माना जा रहा है और राजनीतिक दलों ने पूरी ताकत झोंकनी शुरु कर दी है। भाजपा की ओर से अंकुश दिलीप नैताम (२९), कांग्रेस की ओर से विनोद रामकृष्ण भांडेकर (३८) और निर्दलीय उम्मीदवार के रुप में सुनील भास्कर बावणे (४५) ने अपना नामांकन दाखिल किया है। अब नामांकन पत्रों की जांच और नाम वापसी की प्रक्रिया के बाद चुनाव प्रचार पूरी तरह तेज हो जाएगा।

बताया जा रहा है कि २ जून के बाद प्रचार अभियान जोर पकड़ लेगा और उम्मीदवारों को लगभग १५ से १७ दिनों का समय जनसंपर्क के लिए मिलेगा। ऐसे में आने वाले दिनों में गडचिरोली की राजनीतिक सरगर्मियां और तेज होने की संभावना है।

यह सीट पहले भाजपा के पार्षद मुक्तेश्वर काटवे के पास थी। कुछ महीने पहले एक दुखद सड़क दुर्घटना में उनके निधन के बाद यह सीट रिक्त हो गई थी। इसके बाद करीब तीन महीने बाद उपचुनाव की घोषणा की गई। मुक्तेश्वर काटवे के निधन के बाद भाजपा में उम्मीदवार चयन को लेकर अंदरुनी चर्चाएं तेज हो गई थीं। उनके भतीजे समीर काटवे को टिकट मिलने की चर्चा जोरों पर थी। उनके समर्थकों ने पार्टी कार्यालय पहुंचकर शक्ति प्रदर्शन भी किया था।

वार्ड नंबर ९ में त्रिकोणीय संघर्ष तय

भाजपा उम्मीदवार का चयन ईश्वर चिट्ठी से

हालांकि राजनीतिक हलकों में चर्चा रही कि समीर काटवे का ठेकेदारी व्यवसाय उनकी उम्मीदवारी के रास्ते में बाधा बन गया। यह भी कहा गया कि उन्होंने ठेकेदार न होने का प्रमाणपत्र लेने का प्रयास किया था, जिससे स्थानीय स्तर पर सवाल उठे।

भाजपा ने ईश्वर चिट्ठी से चुना उम्मीदवार

उम्मीदवार चयन को लेकर पार्टी के भीतर बढ़ते तनाव के बीच भाजपा नेतृत्व ने एक अनोखा तरीका अपनाया। जानकारी के अनुसार, दो नामों की पर्चियां डालकर ईश्वर चिट्ठी के माध्यम से उम्मीदवार चुनने का फैसला लिया गया। इसमें अंकुश नैताम के नाम की पर्ची निकली और उन्हें पार्टी का आधिकारिक एबी फॉर्म सौंप दिया गया।

कांग्रेस भी मैदान में पूरी तैयारी के साथ

कांग्रेस ने इस चुनाव में विनोद भांडेकर पर भरोसा जताया है। खास बात यह है कि पिछली बार विनोद भांडेकर ने राष्ट्रवादी कांग्रेस के अजित पवार गुट से चुनाव लड़ते हुए दूसरा स्थान हासिल किया था। इस बार भाजपा और राष्ट्रवादी कांग्रेस (अजित पवार गुट) गठबंधन में होने के कारण राष्ट्रवादी ने अलग उम्मीदवार मैदान में नहीं उतारा है। इससे भाजपा की स्थिति मजबूत मानी जा रही है, लेकिन कांग्रेस भी इस चुनाव को प्रतिष्ठा का सवाल मानकर तैयारी में जुटी है।

राजनीतिक चर्चाओं के अनुसार, निर्दलीय उम्मीदवार सुनील बावणे स्थानीय स्तर पर सक्रिय हैं और वे चुनावी गणित को प्रभावित कर सकते हैं। ऐसे में मुकाबला केवल भाजपा और कांग्रेस तक सीमित नहीं रह गया है। अब पूरे गडचिरोली शहर की निगाहें इस उपचुनाव पर टिकी हैं। २१ जून को होने वाली मतगणना के बाद जीत का ताज किसके सिर सजेगा, इस पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं।

युद्ध की पृष्ठभूमि में जिलाधिकारी का पेट्रोल पंपों पर औचक निरीक्षण

प्रतिनिधि, विदर्भ की दहाड

चंद्रपुर, २६ मई- पश्चिम एशिया में जारी युद्ध जैसी परिस्थितियों की पृष्ठभूमि में जिले में पेट्रोल-डीजल की कमी न हो, नागरिकों को नियमित रुप से ईंधन उपलब्ध रहे तथा कालाबाजारी और जमाखोरी पर रोक लगे, इसके लिए वसुमना पंत ने रविवार को सीधे पेट्रोल पंप पर पहुंचकर निरीक्षण किया।

चंद्रपुर-नागपुर महामार्ग स्थित भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के कोटपल्लीवार पेट्रोल पंप पर जिलाधिकारी ने अचानक पहुंचकर स्टॉक रजिस्टर तथा दैनिक ईंधन भंडारण से संबंधित ऐप की जांच की। उन्होंने पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति, टैंकरों की उपलब्धता, ग्राहकों की भीड़, ईंधन वितरण की सीमा तथा वर्तमान स्थिति में आपूर्ति व्यवस्था को लेकर विस्तृत जानकारी ली।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी पंत ने स्पष्ट निर्देश दिए कि कैन अथवा बोतलों में पेट्रोलडीजल की बिक्री पूरी तरह अवैध है और इसे किसी भी स्थिति में अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। उन्होंने पेट्रोल पंप संचालकों को प्रतिदिन उपलब्ध ईंधन भंडार का विवरण सार्वजनिक फलक पर प्रदर्शित करने के निर्देश भी दिए, ताकि नागरिकों को वास्तविक स्थिति की जानकारी मिल सके।

पेट्रोल पंप संचालक व्ही. एम. कोटपल्लीवार ने बताया कि पिछले सप्ताह की तुलना में अब स्थिति में सुधार हुआ है और नियमित रुप से पेट्रोलडीजल के टैंकर उपलब्ध हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि अफवाहों के कारण अचानक भीड़ बढ़ जाती है, लेकिन सामान्यतः स्टॉक खत्म होने जैसी स्थिति नहीं बनती।

इस दौरान राहुल बहादुरकर, राहुल वानखेडे तथा सुमेध चवरे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने ग्राहकों से भी बातचीत की। उन्होंने पूछा कि क्या ईंधन की उपलब्धता में कोई समस्या आई, क्या पहले की तुलना में अधिक पेट्रोल भरवाया जा रहा है तथा पेट्रोलडीजल की मात्रा में किसी प्रकार की कटौती महसूस हुई है या नहीं।

जिले में २४ मई २०२६ तक पेट्रोल का कुल भंडार ९ लाख ७८ हजार ५७१ लीटर था, जिसमें से २ लाख २२ हजार ६५९ लीटर की बिक्री हुई तथा ७ लाख ५५ हजार ९१२ लीटर शेष रहा। वहीं डीजल का कुल भंडार ११ लाख ९ हजार १६२ लीटर दर्ज किया गया, जिसमें से ४ लाख २३ हजार ७६० लीटर की बिक्री हुई तथा ६ लाख ८५ हजार ४०२ लीटर डीजल शेष रहा। एलपीजी सिलेंडरों का कुल भंडार १७ हजार ४४८ था, जिसमें से ६ हजार ५६७ सिलेंडरों की बिक्री हुई तथा १० हजार ८८१ सिलेंडर शेष रहे।

गोवंश तस्करों पर जिले की पहली मकोका कार्रवाई

६३ मवेशियों की क्रूर तस्करी करने वाले गिरोह पर शिकंजा

प्रतिनिधि, विदर्भ की दहाड

चंद्रपुर, २६ मई- चंद्रपुर जिले में संगठित रुप से अवैध गोवंश तस्करी करने वाले अपराधी गिरोहों के खिलाफ पुलिस ने अब तक की सबसे बड़ी और ऐतिहासिक कार्रवाई की है। जिले के कुख्यात गोवंश तस्कर इमरान बब्बू शेख और उसके गिरोह के खिलाफ महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम, १९९९ (मकोका) के तहत मामला दर्ज किया गया है। गोवंश तस्करी से जुड़े किसी गिरोह पर जिले में मकोका के तहत की गई यह पहली बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है। पुलिस की इस कार्रवाई से अवैध तस्करी नेटवर्क में हड़कंप मच गया है।

६ अप्रैल २०२६ को चंद्रपुर स्थानीय अपराध शाखा की टीम रामनगर थाना क्षेत्र में गश्त पर थी। इस दौरान पुलिस अवैध पशु परिवहन, शराबबंदी कानून उल्लंघन, जुआ, चोरी और घरफोड़ियों के मामलों में शामिल आरोपियों की जांच कर रही थी। इसी दौरान पुलिस को मुखबिर से गोपनीय सूचना मिली कि मूल सेचंद्रपुर मार्ग होते हुए तेलंगाना की ओर दो बड़े ट्रकों में अवैध तरीके से गोवंश की तस्करी की जा रही है।

सूचना के आधार पर पुलिस ने जाल बिछाकर टाटा कंपनी के दो संदिग्ध ट्रकों को रोककर जांच की। जांच में जो तथ्य सामने आए, उन्होंने पुलिस को भी चौंका दिया। पुलिस जांच में पाया गया कि दोनों ट्रकों में कुल ६३ गाय और बैलों को बेहद क्रूर तरीके से भरा गया था।

ट्रकों में जानवरों को अत्यधिक दाटीभाटी में ठूंसकर रखा गया था। मवेशियों के हाथपैर और मुंह रस्सियों से कसकर बांधे गए थे। क्षमता से कहीं अधिक पशु भरने के कारण उन्हें खड़े होने तक की जगह नहीं थी। चारा और पानी की कोई व्यवस्था नहीं की गई थी। मौके पर दो मवेशी मृत अवस्था में पाए गए। आरोपियों के पास पशुधन विकास विभाग या आरटीओ से संबंधित कोई वैध परिवहन दस्तावेज मौजूद नहीं थे।

प्राथमिक जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी आपसी साजिश के तहत महाराष्ट्र से तेलंगाना में कथित तौर पर गोवंश को कटाई के उद्देश्य से अवैध रुप से भेज रहे थे। पुलिस के अनुसार, इसमामले में अन्य वांछित आरोपियों की भूमिका भी सामने आई है, जिन्होंने इस अवैध गतिविधि को बढ़ावा दिया।

पुलिस जांच में यह मामला किसी एक वाहन तक सीमित नहीं पाया गया, बल्कि संगठित अपराध के रुप में संचालित गिरोह का हिस्सा सामने आया। इसी आधार पर पुलिस ने इमरान बब्बू शेख गिरोह के खिलाफ मकोका जैसी सख्त धाराओं के तहत कार्रवाई की। चंद्रपुर पुलिस की इस कार्रवाई को जिले में संगठित गोवंश तस्करों के खिलाफ निर्णायक कदम माना जा रहा है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि भविष्य में भी ऐसे गिरोहों के खिलाफ कठोर अभियान जारी रहेगा।

मॅजिक Magic
मोबाईल शॉप
■ सेल्स ■ सर्विस ■ रिपेअरिंग
एमआई व रिअलमी के पसंदीदा साथी
MI realme VIVO SAMSUNG OPPO NOKIA ONEPLUS iPhone LAVA Jio ASUS
शिवाजी चौक, मेन रोड ब्रम्हपुरी, जि. चंद्रपुर
९४२३१२२३७७, ९५११८४६०१८

झाड़ीपट्टी में अपनी कला से धूम मचाने वाली सुप्रसिद्ध लावण्यवती

मिस.सोनाली पाटीलजी को
जन्मदिन की हार्दिक हार्दिक शुभकामनाएं।
ईश्वर से प्रार्थना है कि आपको उत्तम स्वास्थ्य, सुख, समृद्धि एवं कला क्षेत्र में निरंतर सफलता प्राप्त हो।
-: शुभेच्छुक :-
झाड़ीपट्टी लावणी संघटना
भुवनभाऊ लिल्हारे, सांस्कृतिक विभाग जिलाध्यक्ष, गड़चिरोली
अध्यक्ष - मनीष मोटघरे, उपाध्यक्ष - विलास कावळे, सचिव - प्रज्वल मेश्राम,
कोषाध्यक्ष - रमेश केरलापुरे, सुशांत कोवे, मार्गदर्शक - सुशील भाऊ कोडापे
एवं समस्त झाड़ीपट्टी कलाकार परिवार।

३८ किलो गांजा के साथ २ पकड़ाए

नागपुर-रायपुर मार्ग पर गांजा तस्करी का पर्दाफाश

प्रतिनिधि, विदर्भ की दहाड़
गोंदिया, २६ मई - स्थानीय अपराध शाखा (एलसीबी) ने मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक महिंद्रा थार वाहन से ३८ किलो ५०० ग्राम गांजा जब्त किया है। इस कार्रवाई में गांजा, थार वाहन और मोबाईल फोन सहित कुल ५४ लाख ३० हजार रुपये का माल जब्त किया गया। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जबकि एक आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे के निर्देश पर एलसीबी की

टीम पुलिस निरीक्षक पुरुषोत्तम अहेरकर की टीम पुलिस निरीक्षक पुरुषोत्तम अहेरकर के नेतृत्व में २४ मई २०२६ को डुग्गीपार थाना क्षेत्र में गश्त कर रही थी। गोपनीय सूचना मिली कि रायपुर से देवरी-कोहमारा मार्ग होते हुए नागपुर की ओर से एक काली थार कार में भारी मात्रा में गांजा ले जाया जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस ने सौंदड रेल्वे फ्लाईओवर के पास नाकाबंदी की। कुछ देर बाद संदिग्ध थार वाहन दिखाई दिया। पुलिस की नाकाबंदी देखकर चालक ने वाहन मोडकर भागने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने फिल्मी अंदाज में पीछा कर वाहन को रोक लिया। तीन युवक जंगल की ओर भागने लगे। पुलिस ने पीछा कर दो आरोपियों को पकड़ लिया, जबकि तीसरा आरोपी फरार हो गया।

डिक्की और सीट से ४० बंडल बरामद, १ आरोपी फरार

तलाशी के दौरान वाहन की डिक्की और सीट से खाकी टेप में लिपटे ४० बंडल बरामद हुए। जांच में इनमें ३८ किलो ५०० ग्राम गांजा मिला, जिसकी कीमत ३८ लाख ५० हजार रुपये आंकी गई है।

इसके अलावा १५ लाख रुपये कीमत की थार कार और ८० हजार रुपये के चार मोबाईल फोन भी जब्त किये गए। पुलिस ने डोंगरगढ़ निवासी विवेक ने बताया कि गांजा नागपुर निवासी सागर खोब्रागडे को सप्लाई किया जाना था। फरार आरोपी की पहचान सुफियान उर्फ सोफी रजा (२८ निवासी राजानगर, डोंगरगढ़) के रुप में हुई है। आरोपियों के खिलाफ डुग्गीपार थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

आदिवासी विद्यार्थियों के लिए समर कैंप से खुलते हैं करियर के नये अवसर

जिलाधिकारी डॉ. मंगेश गोंदावले का प्रतिपादन

प्रतिनिधि, विदर्भ की दहाड
गोंदिया, २६ मई- आदिवासी विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और उनके भीतर छिपी प्रतिभाओं को नई दिशा देने के उद्देश्य से आयोजित समर कैंप विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। ऐसे प्रशिक्षण शिविरों के माध्यम से विद्यार्थियों को शिक्षा के साथसाथ कौशल विकास, व्यक्तित्व निर्माण और करियर के नये अवसरों की जानकारी मिलती है, जिससे उनका आत्मविश्वास भी बढ़ता है। यह विचार जिलाधिकारी डॉ. मंगेश गोंदावले ने व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों के विद्यार्थियों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, आवश्यकता केवल उन्हें सही मार्गदर्शन और अवसर उपलब्ध कराने की है। समर कैंप जैसे उपक्रम विद्यार्थियों को पारंपरिक शिक्षा से आगे बढ़कर विभिन्न क्षेत्रों की जानकारी देने का प्रभावी माध्यम बन रहे हैं।

जिलाधिकारी डॉ. गोंदावले ने कहा कि शासन आदिवासी विद्यार्थियों को मुख्यधारा से जोड़ने तथा उन्हें आधुनिक कौशल प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न योजनाएं चला रहा है। समर कैंप के माध्यम से विद्यार्थियों को कला, हस्तकला, तकनीक, खेल, व्यक्तित्व विकास और स्वरोजगार जैसे विषयों काप्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिससे उनके लिए रोजगार और करियर के नये रास्ते खुल रहे हैं।

उन्होंने विद्यार्थियों से शिविर में मिली सीख का उपयोग अपने जीवन में करने का आहवान करते हुए कहा कि आत्मविश्वास, मेहनत और सकारात्मक दृष्टिकोण के बल पर कोई भी विद्यार्थी बड़ी सफलता हासिल कर सकता है। इस अवसर पर संबंधित विभाग के अधिकारी, शिक्षक, प्रशिक्षण विशेषज्ञ तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

२ बच्चियों के साथ दुष्कर्म

लड़के के खिलाफ पोक्सो के तहत एफआयआर

प्रतिनिधि, विदर्भ की दहाड़
गोंदिया, २६ मई - अर्जुनी मोरगांव तहसील के बोंडगांवदेवी में दो नाबालिग लड़कियों के साथ दुष्कर्म होने की गंभीर और चौंकाने वाली घटना सामने आई है। इस मामले में अर्जुनी मोरगांव पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए १६ वर्षीय विधि संघर्ष लड़के को हिरासत में लिया और बाल न्यायालय में पेश किया।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार घटना शनिवार की सुबह करीब ११ बजे की है। पड़ोस में रहने वाली दो नाबालिग लड़कियों को खेलने के बहाने घर बुलाया गया। संबंधित लड़कियों में से एक की उम्र केवल छह वर्ष नौ महीने बताई गई, जबकि दूसरी की उम्र दस वर्ष आठ महीने बताई गई। यह भी आरोप है कि घटना के बाद लड़कियों को किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी गई इसलिए मामला ज्यादा गंभीर माना जा रहा है। घटना की जानकारी मिलते ही अर्जुनी मोरगांव पुलिस ने तुरंत मामला दर्ज कर नाबालिग लड़के को हिरासत में ले लिया। उसकी चिकित्सकीय जांच की गई है। और उसके खिलाफ भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के साथ-साथ पोक्सो के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि आगे की कार्यवाही के लिए उसे बाल न्यायालय में पेश किया गया है। इस बीच इस घटना से परिसर में रोष व निराशा है तथा नाबालिग लड़कियों की सुरक्षा का मुद्दा एक बार फिर सामने आ गया है। आगे की जांच जारी है।

धान खरीदी की लिमिट १० लाख क्विंटल बढ़ाएं

विधायक राजकुमार बडोले की मांग

प्रतिनिधि, विदर्भ की दहाड
गोंदिया/मुंबई, २६ मई- किसानों को धान बिक्री में किसी प्रकार की परेशानी न हो और खरीदी प्रक्रिया सुचारु रुप से संचालित हो, इसके लिए धान खरीदी की सीमा तत्काल १० लाख क्विंटल बढ़ाई जाए, ऐसी मांग विधायक राजकुमार बडोले ने सरकार सेकी है। उन्होंने कहा कि वर्तमान खरीदी सीमा कम होने के कारण बड़ी संख्या में किसानों का धान खरीदी केंद्रों पर अटका हुआ है, जिससे किसानों में चिंता और नाराजगी का वातावरण है।

विधायक बडोले ने कहा कि विदर्भ सहित राज्य के अनेक जिलों में इस वर्ष धान का उत्पादन अच्छा हुआ है। किसानों ने मेहनत कर फसल तैयार की है, लेकिन खरीदी की निर्धारित सीमा के कारण उन्हें अपनी उपज बेचने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। यदि

समय पर धान की खरीदी नहीं हुई, तो किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है।

उन्होंने सरकार से मांग करते हुए कहा कि धान खरीदी की मौजूदा लिमिट में कम से कम १० लाख क्विंटल की वृद्धि की जाए, ताकि किसानों का धान बिना किसी बाधा के खरीदा जा सके। साथ ही खरीदी केंद्रों पर पर्याप्त व्यवस्था, बारदाना उपलब्धता और भुगतान प्रक्रिया को भी तेज करने की आवश्यकता है।

विधायक राजकुमार बडोले ने कहा कि किसान पहले ही प्राकृतिक परिस्थितियों और बढ़ती लागत से परेशान हैं। ऐसे में धान खरीदी में देरी या सीमा की बाध्यता किसानों की मुश्किलें और बढ़ा सकती है। सरकार को किसानों के हित में तत्काल सकारात्मक निर्णय लेना चाहिए।

उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि किसानों की समस्याओं का जल्द समाधान नहीं किया गया, तो किसानों में असंतोष बढ़ सकता है। इसलिए प्रशासन और सरकार को संवेदनशीलता के साथ इस विषय पर त्वरित निर्णय लेना चाहिए।

घोरपड़े अपर जिलाधीश नियुक्त

पहले रहे पर्यावरण विभाग के संचालक

प्रतिनिधि, विदर्भ की दहाड़
गोंदिया, २६ मई - अभिजीत घोरपड़े गोंदिया में

अपर जिलाधीश के तौर पर नियुक्त हुए है। इससे पहले वे मुंबई में राज्य वातावरणीय कृती कक्ष, पर्यावरण व वातावरणीय बदल विभाग के संचालक के तौर पर कार्यरत थे। राजस्व व वन विभाग के १५ मई, २०२६ के सरकारी आदेश के अनुसार अपर जिलाधीश संवर्ग के अधिकारियों के स्थानांतरण के बाद यह नियुक्ति की गई है। घोरपड़े ने हाल ही में गोंदिया में अपर जिलाधीश का पद संभाला है।

ईद को लेकर शांतता समिति की सभा

प्रतिनिधि, विदर्भ की दहाड
भंडारा, २६ मई- आगामी ईद पर्व के मद्देनजर जिले में कानून व्यवस्था एवं सामाजिक सौहार्द बनाए रखने के उद्देश्य से शुक्रवार को भंडारा पुलिस मुख्यालय स्थित क्राइम मीटिंग हॉल में जिला स्तरीय शांतता समिति एवं सांप्रदायिक सद्भावना बैठक आयोजित की गई। बैठक शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। बैठक में भंडारा जिले के पुलिस अधीक्षक नूरुल हसन, प्रभारी जिलाधिकारी रविंद्र जाधव तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निलेश मोरे प्रमुख रुप से उपस्थित रहे। इसके अलावा

अफवाह फैलाने वालों पर होगी कानूनी कार्रवाई

जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, विभिन्न धर्मों एवं समाजों के प्रतिष्ठित नागरिक, शांति समिति के सदस्य तथा जनप्रतिनिधियों ने भी सहभाग लिया।

बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक नूरुल हसन ने नागरिकों से आगामी ईद पर्व को भाईचारे, शांति और उत्साह के साथ मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि त्योहारों के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस विभाग पूरी तरह सतर्क और तैयार है। साथ ही नागरिकों से पुलिस प्रशासन को सहयोग करने का आग्रह भी किया गया।

अफवाहों से सतर्क रहें

बैठक में सोशल मीडिया एवं अन्य माध्यमों से फैलने वाली अफवाहों पर भी विशेष चर्चा की गई। अधिकारियों ने नागरिकों से किसी भी प्रकार की भ्रामक अथवा अपुष्ट जानकारी पर विश्वास न करने की अपील की। प्रशासन की ओर से स्पष्ट चेतावनी दी गई कि सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने अथवा अफवाह फैलाने का प्रयास करने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सुरक्षा व्यवस्था के लिए उड़नदस्ते गठित

ईद पर्व के दौरान सुरक्षा व्यवस्था मजबूत बनाए रखने के लिए भंडारा पुलिस द्वारा जिलेभर में विशेष उड़नदस्तों का गठन किया गया है। ये टीमें लगातार गश्त कर संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखेंगी। पुलिस प्रशासन ने बताया कि किसी भी अप्रिय घटना को रोकने तथा स्थिति पर तत्काल नियंत्रण बनाए रखने के लिए सभी सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं।

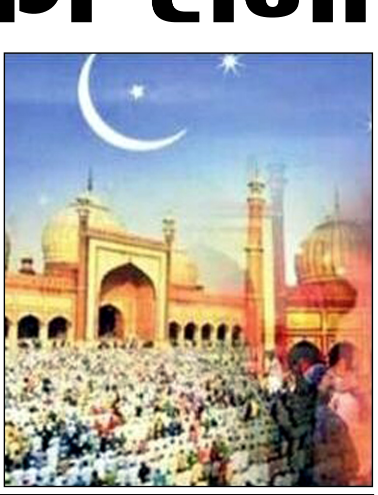

मजदूरों की समस्याओं पर चर्चा

२९ का रास्ता रोको आंदोलन स्थगित

संवाददाता, विदर्भ की दहाड
गर्रा बघेड़ा, २६ मई- मॉयल लिमिटेड प्रशासन से जुड़ी विभिन्न लंबित मांगों और खदान वर्कर्स की ज्वलंत समस्याओं को लेकर नागपुर स्थित मॉयल मुख्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस उच्चस्तरीय बैठक में प्रशासन की ओर से कर्मचारी प्रतिनिधियों को बताया गया कि कामगारों से संबंधित सभी महत्वपूर्ण मामलों को आगामी निर्णय के लिए हाईलेवल बोर्ड के समक्ष भेज दिया गया है। उपस्थित प्रतिनिधियों ने पुरजोर मांग की कि बोर्ड स्तर पर सभी लंबित मामलों में सकारात्मक और लिखित निर्णय लेकर प्रभावित मजदूरों, कर्मचारियों एवं उनके परिवारों को जल्द से जल्द न्याय दिया जाए। बैठक में खदानों में कार्यरत कॉन्ट्रैक्ट वर्कर्स को बेहतर मेडिकल सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा उन्हें नियमित रुप से

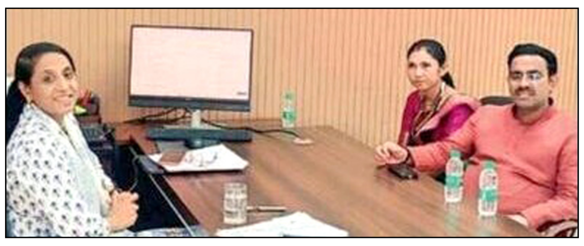

मासिक पेमेंट स्लिप जारी करने के मुद्दे पर भी विस्तार से चर्चा हुई। इस विषय पर मॉयल मुख्यालय स्तर पर सकारात्मक बातचीत हुई और प्रशासन ने श्रमिक नेताओं को भरोसा दिलाया कि पेमेंट स्लिप प्रणाली को जल्द ही धरातल पर लागू किया जाएगा, जिससे मजदूरों को पारदर्शिता और नियमानुसार मिलने वाली सुविधाएं मिल सकेंगी। बैठक में मॉयल हेड ऑफिस नागपुर की एचआर अधिकारी उषा सिंह विशेष रुप से उपस्थित थी।

प्रशासन स्तर पर हुई सकारात्मक चर्चा और मिले ठोस आश्वासन के बाद २९ मई को प्रस्तावित उग्र रास्ता रोको आंदोलन को फिलहाल कुछ समय के लिए स्थगित करने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। इस महत्वपूर्ण बैठक के दौरान विधायक परिणय फुके, इंजी. प्रकाश ढिकोडी, करुणा कोकोडे, सौरभ पारधी, ऋषभ मेश्राम, नादिम पाशा, परमेश ठाकुर, सोनू गुरु पंचाग, गौतम बोरकर तथा वामन गाढ़वे सहित अनेक पदाधिकारी, श्रमिक नेता और कार्यकर्ता प्रमुखता से उपस्थित थे।

जेसीबी से रेत का उत्खनन जारी

ग्रामीणों में तीव्र आक्रोश

हादसों का बढ़ता खतरा

संवाददाता, विदर्भ की दहाड
साकोली, २६ मई- क्षेत्र के लवारी, उमरी, परसोड़ी, महालगांव, पलसगांव, सानगडी, कुंभली तथा खंडाला बोंडे सहित कई गांवों के नदी घाटों पर नियमों को ताक परसखकर जेसीबी मशीनों के माध्यम से अवैध रेत उत्खनन खुलेआम जारी है। शासन के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद मशीनों से रेत खनन प्रतिबंधित होने के बाद भी यह गतिविधि धड़ल्ले से चल रही है, जिससे ग्रामीणों में भारी नाराजगी देखी जा रही है।

ग्रामीणों का आरोप है कि लगातार हो रहे अवैध उत्खनन के कारण गांवों की सड़कों की हालत खराब हो गई है। भारी वाहनों की आवाजाही से सड़कों पर धूल, गड्ढे और अव्यवस्था बढ़ गई है, जिससे साइकिल, मोटरसाइकिल चालकों और आम राहगीरों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई बार छोटे बड़े हादसे भी हो चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद प्रशासन और पुलिस विभाग की ओर से ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि रेत माफिया बेखौफ होकर दिनरात जेसीबी के जरिए उत्खनन कर रहे हैं, जिससे पर्यावरण को भी नुकसान पहुंच रहा है। नदी घाटों का स्वरुप बिगड़ता जा रहा है और जलस्तर पर भी इसका विपरीत प्रभाव पड़ने की आशंका जताई जा रही है।

विपदा हरने वाली मां धुकेश्वरी

पवन तालाब व जंगलों के बीच बसी अलौकिक शक्तिपीठ

प्रतिनिधि, विदर्भ की दहाड
गोंदिया, २६ मई- राष्ट्रीय राजमार्ग क्र.६ पर देवरी में एकतालाब और जंगल के पास धुकेश्वरी देवी का एक बड़ा मंदिर है। कहा जाता है कि इस मंदिर की परंपरा २२८ साल पुरानी है। धुकेश्वरी देवी का मंदिर जागृत माना जाता है। यहां महाराष्ट्र सहित छत्तीसगढ और मध्यप्रदेश से भी श्रद्धालु अपनी मनोकामना पूरी करने आते हैं।

हिंदू धर्म में नवरात्रि का बहुत महत्व है। नवरात्रि उत्सव के दौरान ९ दिनों तक देवी जागरण किया जाता है। नवरात्रि के दौरान भक्त ९ दिनों तक देवी के ९ रुपों की पूजा की जाती है। नवरात्रि के दौरान जिले और दूसरे राज्यों से लाखों श्रद्धालु मां धुकेश्वरी मंदिर में देवी के दर्शन के लिए आते हैं। यह मंदिर देवरी शहर में राष्ट्रीय राजमार्ग के पास स्थित है। धुकेश्वरी माता मंदिर को हिंदू धर्म में प्रमुख तीर्थ स्थलों में से एक माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि धुकेश्वरी माता यहां

आने वाले लोगों की मनोकामनाएं पूरी करती हैं। इसलिए अनेक श्रद्धालु मां धुकेश्वरी देवी के दर्शन के लिए देवरी आते हैं। देवरी शहर में पवन तालाब के तट पर स्थित मां धुकेश्वरी देवी मंदिर जिले के साथसाथ राज्य के कोनेकोने में प्रसिद्ध है। इस मंदिर को राज्य के शक्तिपीठों में से एक माना जाता है। इस मंदिर में देवीमाता काली है। कहा जाता है कि जब भी पृथ्वी पर विपदा आती है तो मां काली उन्हें दूर करती हैं। ऐसा ही माता धुकेश्वरी मंदिर में भी देखा जा सकता है।

विभिन्न देवी-देवताओं का भी मंदिर

मां धुकेश्वरी मंदिर क्षेत्र में अन्य देवी-देवताओं के मंदिर भी हैं। यहां एक पंचमुखी मंदिर भी है जो विशेष रुप से भगवान शंकर को समर्पित है। इसके साथ ही यहां गणपति, दुर्गा देवी, कालीमाता, हनुमान, गढमाता के मंदिर भी स्थित हैं। प्रवेश द्वार पर ही एक हनुमान मंदिर है। जबकि बीच में मां धुकेश्वरी और काली माता का मंदिर है। मुख्य प्रवेश द्वार के दाहिनी ओर गणेश जी का मंदिर है, बाई ओर दुर्गा माता का मंदिर है तथा निचली ओर गढमाता का मंदिर है।

वर्षभर विविध कार्यक्रम आयोजित

देवरी तहसील का धुकेश्वरी एक प्रसिद्ध मंदिर होने के कारण यहां आने वाले भक्तों की संख्या बहुत अधिक होती है। साल भर धार्मिक कार्यक्रमों के साथसाथ विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाता है। मंदिर परिसर में नवरात्रि से लेकर अन्य जितने भी हिंदू त्योहारों का यहां भव्य रुप से आयोजन किया जाता है।

वनोपज बेचने को मजबूर आदिवासी

विकास की दौड़ में पीछे छूटा राज्य का आखिरी छोर

प्रतिनिधि, विदर्भ की दहाड
गोंदिया, २६ मई- आम तौर पर देखा जाता है कि प्रत्येक व्यक्ति को अपना जीवन जीने के लिए अथवा रोजगार समेत अपना व्यवसाय बढ़ाने के लिए बाहरी दुनिया से रुबरु होना पड़ता है। लेकिन जिले में एक समुदाय ऐसा भी है, जिनके लिए उनका गांव ही उनकी दुनिया है। विशेषतः उनका जीवन जंगल से मिलने वाले वनोपज के आधार पर बीत जाता है। पिछले अनेक वर्षों से आदिवासी समुदाय के लोग वनों में नैसर्गिक रुप से उत्पादित महुआ फूल, हिरड़ा, बेहड़ा, चारोली, बांस और तेंदूपत्ता समेत अन्य वनोपज का संकलन करते हैं। वनोपज संकलन कर बेचने के बाद प्राप्त वित्तीय आय से इस समाज के अधिकतर लोग अपना जीवनयापन कर रहे हैं।

अधिकतर आदिवासी समाज के लोग वनोपज का संकलन कर अपना जीवनयापन कर रहे हैं। लेकिन प्रशासन द्वारा वनोपज खरीदने संदर्भ में कोई प्रक्रिया नहीं चलाए जाने के कारण आदिवासियों द्वारा संकलन किया गया वनोपज निजी व्यापारियों को अल्प दाम में बेचना पड़ रहा है। जिसमें उनकी लुट हो रही है। पिछले अनेक वर्षों से वनविभाग द्वारा वनोपज खरीदने संदर्भ में प्रक्रिया शुरु करने की मांग स्थानीय नागरिकों द्वारा की जा रही है। लेकिन अब तक जिले में कहीं पर भी खरीदी केंद्र शुरु नहीं किया गया है। जिससे वनविभाग इस ओर ओर गंभीरता से ध्यान ध्यान देकर वनोपज खरीदने के लिए केंद्र शुरु करें, ऐसी मांग नागरिकों द्वारा की जा रही है।

दुर्गम क्षेत्र सुविधाओं से वंचित राज्य के आखरी छोर पर बसे जिले में आदिवासी समुदाय बड़ी संख्या में है। यह समुदाय दुर्गम और अतिदुर्गम परिसर में बसा है। इन क्षेत्र में अब तक आवश्यकता के अनुसार बुनियादी सुविधाएं नहीं पहुंच पाई है। जिसके कारण क्षेत्र के लोग आज भी सुविधाओं के अभाव में जीवनयापन करते दिखाई दे रहे हैं। दुर्गम क्षेत्र के अनेक गांवों तक पहुंचने के लिए अब तक पक्की सड़के नहीं बन पाई है। वहीं नदी, नालों पर पुलों का निर्माण भी नहीं किया गया है। ऐसे विपरित परिस्थितियों में भी

इस समुदाय के लोग आज भी जूझ रहे हैं।

जंगल में बीत जाता है दिन

जिले के जंगल में बांस, तेंदु फल, महुआ, हिरड़ा समेत विभिन्न तरह के वनोपज बड़े पैमाने पर है। जिसका संकलन कर इस समुदाय के लोग अपना जीवनयापन करते है। बताया जा रहा है कि इस समाज के अधिकतर लोग सुबह ही अपने घर से जंगल के लिए रवाना होते हैं। पूरा दिन वनोपज संकलन करने के बाद शाम को घर वापिस लौटते हैं। जिसके चलते इनका पूरा दिन जंगल में बीत जाता है।

दर्यापुर में अतिक्रमण हटाओ अभियान

सड़कें खाली लेकिन कई परिवारों की रोजीरोटी पर संकट

संवाददाता, विदर्भ की दहाड

दर्यापुर, २६ मई- शहर में नगर परिषद प्रशासन ने अतिक्रमण हटाने की एक बड़ी कार्रवाई करते हुए सड़क किनारे की कई दुकानें, ठेले और व्यवसाय हटा दिए। प्रशासन की इस सख्त कार्रवाई से शहर की यातायात व्यवस्था को कुछ हद तक राहत जरुर मिली है, लेकिन दूसरी तरफ कई परिवारों की आजीविका पर संकट ख़डा हो गया है।

कई छोटे व्यवसायी और रोज कमानेखाने वाले नागरिक एक ही दिन में बेरोजगार हो गए हैं, जिससे शहर में आक्रोश का माहौल है। लेकिन आम नागरिकों के मन में अब एक ही सवाल उठ रहा है क्या यह कार्रवाई स्थायी है, या कुछ दिनों बाद फिर से वही अतिक्रमण दोबारा ख़डा हो जाएगा शहर में पहले भी कई बार अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया जा चुका है।

दर्यापुर में अतिक्रमण हटाने के बाद आजीविका संकट

लाखों रुपये का सरकारी खर्च किया गया, मशीनरी का इस्तेमाल हुआ और भारी पुलिस बंदोबस्त रखा गया लेकिन कुछ ही दिन बीतने के बाद उसी जगह पर फिर से अतिक्रमण देखने को मिला। इसलिए प्रशासन की इस कार्रवाई पर ही अब सवालिया निशान खडे हो रहे हैं। अगर दोबारा अतिक्रमण होना ही है, तो आज की गई यह कार्रवाई आखिर किसके लिए थी?

गरीबों पर कार्रवाई या स्थायी समाधान?

क्या गरीबों पर सख्त कार्रवाई करके प्रशासन सिर्फ अपनी जिम्मेदारी पूरी होने का दिखावा कर रहा है शहर के नागरिक अब प्रशासन से ठोस जवाब मांग रहे हैं। प्रशासन ने अतिक्रमण हटाते समय वैकल्पिक व्यवस्था, पुनर्वास या छोटे व्यवसायियों के लिए किसी सुनियोजित जगह का कोई ठोस खाका प्लान सामने नहीं रखा है। इसलिए नागरिकों द्वारा यह आलोचना की जा रही है कि शहर के सौंदर्यीकरण के नाम पर गरीबों के पेट पर लात मारी जा रही है।

अंजनगांव सुर्जी के डीपी रोड पर भीषण आग

शॉर्ट सर्किट से दुकान जलकर खाक

संवाददाता, विदर्भ की दहाड

अंजनगांव सुर्जी, २६ मई- शहर के डीपी रोड परिसर में स्थित वृंदावन दूध डेयरी, डेली नीड्स एंड केक सेंटर नामक दुकान में सोमवार २५ मई को दोपहर करीब १.३० बजे भीषण आग लग गई। यह आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगने का अनुमान लगाया गया है। घटना में दुकान का फ्रीजर, काउंटर, फर्नीचर और भारी मात्रा में रखा सामान जलकर खाक हो गया, जिससे दुकानदार को बड़ा आर्थिक नुकसान हुआ है। आग कीलपटें उठती देख स्थानीय नागरिकों ने तुरंत मौके पर दौड़ लगाई और आग बुझाने का प्रयास किया।

वृंदावन दूध डेयरी में लगी आग

हालांकि, आग इतनी भीषण थी कि उस पर काबू पाना मुश्किल हो रहा था। घटना की सूचना तुरंत दमकल विभाग अग्निशमन दल को दी गई। दमकल की गाड़ी ने मौके पर पहुंचकर कुछ ही समय में आग पर पूरी तरह नियंत्रण पा लिया। इस हादसे में गनीमत यह रही कि कोई जनहानि जीवितहानी नहीं हुई, लेकिन व्यापारी का बड़ा नुकसान हुआ है।

दमकल ने पाया काबू

आग लगने के सटीक कारणों और कुल नुकसान का आकलन करने के लिए संबंधित विभाग को सूचित कर दिया गया है। इस घटना के बाद कुछ समय के लिए परिसर में डर का माहौल बन गया था।

स्थानीय नागरिकों और पीड़ित दुकानदार ने प्रशासन से घटनास्थल का पंचनामा कर संबंधित विभाग को जल्द से जल्द रिपोर्ट भेजने की मांग की है।

भातकुली तहसील कार्यालय में आपत्ती व्यवस्थान कक्ष स्थापन

प्रतिनिधि, विदर्भ की दहाड़

अमरावती, २६ मई - भातकुली जैन तहसील कार्यालय में १ जून से आपत्ती व्यवस्थान कक्ष स्थापन किया जाएंगा। इस निमित्य बारिश के दौरान नैसर्गिक आपत्ती के चलते होने वाले नुकसान हवा, धुआंधार बारिश, अतिवृष्टी बादल फटना, बाड़ आदि कारणों के चलते पशु हानी, जीवित हानी पाए जाने, साथ ही इस संदर्भ में जानकारी तहसील कार्यालय भातकुली स्थित फोन नं. ०७२१-२३८९००१ पर तत्काल सुचना देने का आवाहन भातकुली के तहसीलदार अक्षय मंडवे ने किया है।

इर्विन में विश्व स्किझोफ्रेनिया दिन मनाया

प्रतिनिधि, विदर्भ की दहाड़

अमरावती, २६ मई - स्थानिय जिला सामान्य अस्पताल में विश्व स्झिझोफ्रेनिया दिन मनाया गया। जिला शल्य चिकित्सक डा. विनोद पवार ने इस अवसर पर उपस्थितों का मार्गदर्शन किया। अतिरिक्त जिलाशल्य चिकित्सर डा. प्रमोद निरवने अध्यक्ष स्थान पर उपस्थित थे। प्रमुख मार्गदर्शन के रुप में मानसोपचार विशेषज्ञ डा. अमोल गुल्हाने, डा. ऋषिकेश होले, भावना पुरोहित, प्रमोद भक्ते, सुनील कडतकर, विशाल झामरे, सायली डंभे उपस्थित थे। डा. प्रमोद निरवने, डा. अमोल गुल्हाने तथा भावना पुरोहित ने स्झिझोफ्रेनिया इस गंभीर मानसिक बिमारी के संदर्भ में मार्गदर्शन किया। बिमारी के लक्षण, उसका समय पर उपचार किस तरह किया जाए। तथा उपलब्ध उपचार प्रणाली कौनसी है इस संदर्भ में जानकारी दी। विशाल झामरे ने सुत्रसंचालन किया।

समाज कल्याण विभाग के सरकारी छात्रावासों में प्रवेश प्रक्रिया शुरु

विद्यार्थियों से ऑनलाइन आवेदन की अपील

प्रतिनिधि, विदर्भ की दहाड

अमरावती, २६ मई- सामाजिक न्याय विभाग द्वारा जिले के पिछड़े वर्गों के विद्यार्थियों के लिए संचालित शासकीय छात्रावासों में शैक्षणिक सत्र २०२६-२७ के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरु कर दी गई है। विभाग ने पात्र और जरुरतमंद विद्यार्थियों से ऑनलाइन आवेदन करने की अपील की है।

जानकारी के अनुसार जिले के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, विमुक्त जातिभटक्या जमाती, अन्य पिछड़ा वर्ग तथा आर्थिक रुप से कमजोर वर्ग के पात्र विद्यार्थियों को इन छात्रावासों में प्रवेश दिया जाएगा। प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को शासन की ओर से सभी आवश्यक सुविधाएं पूरी तरह निशुल्क उपलब्ध कराई जाएंगी।

शैक्षणिक सत्र २०२६-२७ के अंतर्गत कक्षा ८वीं से १०वीं, कनिष्ठ महाविद्यालय और वरिष्ठ महाविद्यालयीन पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने वाले छात्र-छात्राएं आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए अभ्यर्थियों को वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन भरना होगा। आवेदन प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसकी प्रिंट कॉपी डाउनलोड कर संबंधित छात्रावास में ऑफलाइन जमा करना अनिवार्य रहेगा।

लडकों के लिए भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर शासकीय छात्रावास (यूनिट १, २, ३ एवं निंभोरा), संत गाडगे महाराज शासकीय छात्रावास, तथा छात्राओं के लिए क्रांतिज्योति सावित्रीबाई फुले शासकीय छात्रावास सहित अन्य छात्रावास प्रवेश के लिए उपलब्ध हैं। तालुका स्तर परभी विद्यालयीन एवं महाविद्यालयीन विद्यार्थियों के लिए छात्रावास सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

आवेदन की अंतिम तिथियां

कक्षा ८वीं से १०वीं (स्कूली शिक्षा) ३० जून, कनिष्ठ महाविद्यालय १५ जुलाई, गैरव्यावसायिक पाठ्यक्रम १५ जुलाई, व्यावसायिक पाठ्यक्रम अलग से समयसारिणी जारी की जाएगी। अधिक जानकारी के लिए विद्यार्थी ०७२१-२६६१२६१ पर संपर्क कर सकते हैं। इस संबंध में राजेंद्र जाधवर ने विद्यार्थियों से समय पर आवेदन करने की अपील की है।

पिछड़ा वर्गिय छात्र-छात्राओं के लिए प्रवेश प्रक्रिया

प्रतिनिधि, विदर्भ की दहाड़

अमरावती, २६ मई - सामाजिक न्याय विभाग अंतर्गत जिले के पिछड़ा वर्गिय छात्र-छात्राओं के लिये सरकारी छात्रावास में शैक्षणिक सत्र २०२६-२७ के लिए प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। पात्र तथा जरुरतमंद विद्यार्थी ऑनलाईन आवेदन करने का आवाहन प्रशासन की ओर से किया गया है। जिले के अनुसुचित जाती, जमाती, विमुक्त भटक्या जमाती तथा अन्य पिछड़ा वर्गिय व आर्थिक रुप से दुर्बल घटक के उर्तीर्ण विद्यार्थी इस छात्रावास में प्रवेश पा सकते है। प्रवेशित विद्यार्थियों को सरकार के जरिए निशुल्क रहना, भोजन व अन्य आवश्यक सुविधा मुफ्त उपलब्ध की जाएंगी।

कक्षा ८ वीं से १० वीं, कनिष्ठ व वरिष्ठ महाविद्यालयिन शिक्षा क्रम के लिए प्रवेश लेने वाले इच्छुक विद्यार्थी महाआयडी संकेत स्थल पर ऑनलाईन आवेदन करें। आवेदन करने के पश्चात उसकी प्रिंट निकालकर संबंधित छात्रावास में ऑफलाईन प्रणाली से पेश करना आवश्यक रहेंगा। छात्रों के लिये भारतरत्न डा. बाबासाहेब आंबेडकर शासकीय छात्रावास (युनिट क्रमांक १, २, ३ व निंभोरा) संत गाडगे महाराज छात्रों के सरकारी छात्रावास व छात्राओं के लिए क्रांतीज्योती सावित्राबाई फूले सरकारी छात्रावास (युनिट क्रं. ४ व १२५ वी जंयती छात्रावास) में प्रवेश उपलब्ध रहेंगा। तहसील स्तरीय स्कूली तथा महाविद्यालयिन विद्यार्थियों के लिये छात्रावाससुविधा उपलब्ध रहने के चलते यह बात स्पष्ट की गई है। प्रवेश आवेदन करने के लिये समय सारणी घोषित की गई है। कक्षा ८ वीं से १० वीं स्कूली शिक्षाक्रम के लिये ३० जून, कनिष्ठ महाविद्यालयिन व अव्यवसाईक शिक्षाक्रम के लिए १५ जून अंतिम समयावधी निश्चित की गई है।

संतो का प्रकाश अमर रहता है ...

परम पुज्य साई साधराम साहिब जी की पावन स्मृति सभा श्रध्दा व भावनाओं के साथ संपन्न

प्रतिनिधि, विदर्भ की दहाड़

अमरावती, २६ मई - सतगुरु देव भगवान परम पूज्य हाजिर स्वरुप साई साधराम साहिब जी की पावन स्मृति मे रविवार २४ मई को सुबह १० बजे समाज मंदिर नया हॉल, दस्तुर नगर में भावपूर्ण पावन स्मृति सभा का आयोजन किया गया। सभा में बडी संख्या में सिंधी समाज के श्रध्दालु उपस्थित रहे, इस अवसर पर संतों के दिव्य जीवन, उनके आशिर्वाद, बचनों एवं समाजसेवा को याद करते हुए कहा गया कि संत कभी विदा नही होते, वे अपने दिव्य प्रकाश स्वरुप सैदव अपने भक्तों के मध्य विद्यामान रहते है। सभा में उपस्थित श्रध्दालुओं ने साई साधराम साहिबजी को भावभीनी श्रध्दांजली अर्पित कर उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। पूरे वातावरण में श्रध्दा, भक्ति एवं आध्यात्मिक भावनाओं का अद्भूत संगम देखने को मिला। सभा में सुरेंद्र पोपली, संतोष सबलानी, शमनलाल खत्री, लक्की भगत दादलानी, शंकरलाल बतरा, संजय कुकरेजा, दीपक उत्तराधि बबन कापडी, संतोष मथानी, सुदर्शनलाल मतानी, पप्पु खत्री, सुरेंद्र खत्री, हरगुणदास घुडियाल, जगदीशलाल घुंडियाल, नंदलाल गेही, सतीश कुकरेजा, नितिन कुकरेजा, नंदलाल वासरानी अमृतलाल मेहता, पाशी मेहता, राजेश तरडेजा, गिरीश अरोरा, विश्वनाख अरोरा, गोपाल मंधानी, गोविंद मंधानी, शंकर मकवानी, विक्की कुकरेजा, राजेश किंगर, विजय पंजवानी, शाँशिकांत मंधान, महेंद्र मेहता, राजेश बुलानी, अनूप जीवन, डा. प्रदीप तरडेजा, लुंडूराम किंगरानी, सतीश कापडी, पंकज खत्री, आकाश हरवानी, बंटी गेही, विरल केशवानी, पवन गुड़ियाल, कपिल होतचंद, जैकी तरडेजा, अविनाश खत्री, सनी खत्री, गिरीश अरोरा, गिरीश गेही, तुषार तरदेजा, पवन तरदेजा, आनंद दादलानी सहित दस्तूर नगर एवं कंवर नगर सिंधी समाज के सैंकडों लोग उपस्थित थे। साथ ही दस्तुर नगर महिला मंडल की सभी सदस्य महिलाएं भी बडी संख्या में उपस्थित रही। सभा का समापन श्रध्दाजंली एवं प्रार्थना के साथ हुआ।

बकरीद पर सौहार्द्र बिगाड़ने वालों पर होगी कार्यवाई

पुलिस की अहम बैठक : शहर के मुख्य चौराहों पर लगेंगे सीसीटीवी कैमरे

संवाददाता, विदर्भ की दहाड़

चांदूर बाजार, २६ मई - चांदूर बाजार के प्रभारी थानेदार (आईपीएस) सागर भामरे व्दारा बकरीद पर्व पर जातीय और सांप्रदायकि सुव्यवस्था बनाए रखने और शहर के व्यवसायी सराफा दुकानदारों से विविध समस्याओं को लेकर हर पहलु पर चर्चा की गयी। थानेदार सागर भामरे (आयपीएस) पिछले तीन महिनों से चांदूर बाजार थाने के प्रभारी थानेदार के रुप में कार्यरत है। उन्होंने पीछले तीन महीनों में शहर में विविध कार्रवाई कर शहर को गुटखा मुक्त कराया है। साथ ही शहर के निगरानी बदमाशों पर नजर रख उन की क्लास भी ली।

सोमवार २५ मई को थाना अंतर्गत आने वाले सभी पुलिस पाटिल, शहर के नामी व्यवसायी, सुवर्णकार और किसानों से चर्चा कर थानेदार भामरे ने उनकी समस्या जानी। सागर भामरे ने बताया कि बस स्टैंड परिसर में अपराधिक घटनाओं को रोकने के लिये डिपो मैनेजर से बैठक कर सीसीटीवी कैमरों की मदद से नजर रखी जा रही है। साथ ही दो पुलिस सिपाही भी तैनात किए गये है। रात ११ बजे शहर की दुकानों को बंद करने का समय तक किया गया है। देर रात बिना काम घूमनेवालों पर पुलिस अधीक्षक निकेतन कदम के आदेशानुसार १२२ के तहत कार्रवाई करने की भी बात थानेदार भामरे ने कही। इसके अलावा रेत तस्करों पर भी बडे पैमाने पर कार्रवाई किए जाने की जानकारी उन्होंने दी।

हज़रत अरमान शाह दादा (रह.) का संदल अकीदतपूर्वक संपन्न

हिंदू-मुस्लिम एकता का प्रतीक

प्रतिनिधि, विदर्भ की दहाड

अकोला, २६ मई- अकोट फैल परिसर स्थित लाडीस फैल में हज़रत अरमान शाह दादा (रह.) का संदल अत्यंत सादगीपूर्ण और अकीदत के माहौल में संपन्न हुआ। यह आयोजन हिंदूमुस्लिम एकता का प्रतीक बनकर सामने आया, जिसमें बड़ी संख्या में जायरीन और श्रद्धालु उपस्थित रहे।

संदल की मुख्य रस्म अल हक हाफिज सूफी ज़ैन अहमद चिश्ती के हाथों अदा की गई। इस दौरान चादर पेश कर फातेहा और दुआ की गई। देश में अमन, भाईचारा और खुशहाली की विशेष दुआ की गई। इसके बाद तबर्रुक का वितरण किया गया।

संदल के बाद महफिल-ए-शम्मा कव्वाली का आयोजन किया गया, जिसमें प्रसिद्ध कव्वाल कादर अहमद चिश्ती ने अपने सूफियाना कलामों से माहौल को आध्यात्मिक रंग में रंग दिया।

इस अवसर पर नगरसेवक शरद तुलकर, नौशाद खान पठाण, शेख मुनीर उर्फ सोनू, बब्बूभाई मंडपवाले, रशीद बावा चिश्ती, सय्यद उबैद चिश्ती सहित अनेक मान्यवर उपस्थित रहे।

संदल के आयोजकों में समीर मिर्जा उर्फ पप्पू भांजा, सचिन बनसोड, मोहम्मद राशिद, पत्रकार समीर खान और दानिश मिर्जाउर्फ बॉबी शामिल थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में समीर मिर्जा,वसीम खान पठाण, आसिफ भाई महाराष्ट्र वाले, शेख यासीन, अलीम भाई, सय्यद रिज्जू, सय्यद सोनू, अन्नू भाई (पेटर), सचिन गायकवाड, शेख आदिल दुर्गेश दामोदर, दानिश,आशू मिर्जा और गयासुद्दीन शाहरुख तथा एन.टी.ए.रक्तदान ग्रुप ने विशेष सहयोग दिया।

गट ग्रामपंचायत कार्यालय पानखाल्या
पं.स.धारणी, जि. अमरावती.

जाहीरनामा

या व्दारे सर्व संबंधित नागरिकांना सूचित करण्यात येते की, **श्री सेठ माणिक राजू शिवदयाळ** रा. पानखाल्या ता. धारणी जि. अमरावती यांनी त्यांच्या जन्म **दिनांक ०१/०६/१९७६** रोजी मौजा पानखाल्या , ता. धारणी जि. अमरावती येथे झालेला असून सदर जन्माची नोंद ग्रामपंचायत अभिलेखात न झाल्यामुळे जन्म नोंदणी करून जन्म प्रमाणपत्र मिळण्यासाठी अर्ज या कार्यालयात सादर केला आहे.

तरी ज्या कोणाला सदर प्रकरणाबाबत काही आक्षेप अथवा हरकती असतील त्यांनी हा जाहीरनामा प्रसिद्ध झाल्यापासून ३० दिवसांच्या आत आवश्यक पुराव्यासह लेखी स्वरूपात आपला आक्षेप या कार्यालयात, सुट्टीचे दिवस वगळून, सादर करावा.

मुदत संपल्यानंतर प्राप्त होणा-या आक्षेपांचा विचार करण्यात येणार नाही याची नोंद घ्यावी.

ग्रामपंचायतचा शिक्का

ग्राम पंचायत अधिकारी
ग्रामपंचायत पानखाल्या,
पंचायत समिती, धारणी

समाज में शांति, बंधुत्व और शिक्षा से ही वास्तविक समानता संभव

प्रवीण बागडे का प्रतिपादन

प्रतिनिधि, विदर्भ की दहाड

नागपुर, २५ मई- नागपुर के लष्करीबाग स्थित डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मिशन सभागृह में शनिवार, २३ मई २०२६ को बहुजन हिताय संघ की ४७१ वीं साप्ताहिक सभा उत्साहपूर्वक संपन्न हुई। कार्यक्रमकी अध्यक्षता सामाजिक न्याय विभाग के पूर्व उपायुक्त संजीव गाडे ने की। प्रमुख अतिथि के रुप में प्रशासनिक अधिकारी एवं साहित्यकार प्रवीण बागडे उपस्थित थे, जबकि विशेष अतिथि के रुप में सहायक पुलिस आयुक्त डॉ. अशोक बागुल उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत तथागत गौतम बुद्ध एवं डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर त्रिशरण, पंचशील और बुद्ध वंदना से हुई। बौद्धाचार्य देविदास राऊत ने आनापानसति का मार्गदर्शन किया। प्रमुख अतिथि प्रवीण बागडे ने उपस्थित जनों से २२ प्रतिज्ञाएं दिलवाईं तथा अपने संबोधन में समाज में शांति, बंधुत्व और सामाजिक एकता की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही वास्तविक सामाजिक समानता स्थापित हो सकती है। साथ ही शिक्षा क्षेत्र में बढ़ते बाजारीकरण पर चिंता व्यक्त की। संस्था की ओर से उन्हें स्मृतिचिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

सभा में विभिन्न वक्ताओं ने धम्म, समाज प्रबोधन, शिक्षा और सामाजिक एकता विषयों पर मार्गदर्शन किया। विशेष अतिथि डॉ. अशोक बागुल ने कहा कि बहुजन हिताय संघ वास्तव में मानवतावादी विचार प्रस्तुत करनेवाला सामाजिक संगठन है और उन्हेंइस संगठन पर गर्व है। उन्होंने कहा कि जाति और धर्म के आधार पर मनुष्य का मूल्यांकन नहीं होना चाहिए तथा मानवता को सर्वोच्च मानने का संदेश दिया।

अध्यक्षीय संबोधन में आयु. संजीव गाडे ने कहा कि बौद्ध धम्म स्वीकार करने के लिए विधिवत दीक्षा आवश्यक है तथा सामाजिक मूल्यों पर प्रकाश डाला। दिन विशेष अंतर्गत आयु. प्रकाश सोनटक्के ने १६ से २३ मई के दौरान डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर द्वारा किए गए महत्वपूर्ण कार्यों की जानकारी दी। वहीं ज्ञानेश्वर वाकडे ने २४ से ३० मई के बीच जन्मदिन आने वाले धम्मसेवकों को शुभकामनाएं दीं। शारदाताई मोटघरे ने श्रीलंका में बौद्ध धम्म और वहां की अनुशासन व्यवस्था की जानकारी दी, जबकि हरिश कावरे ने काव्य के माध्यम से मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम का संचालन हेमंत शिंगोडे ने किया तथा आभार प्रदर्शन चुन्नीलाल जांभूळकर ने किया। समापन गाथा प्रा. नंदाताई भगत ने प्रस्तुत की तथा वर्षाताई टेंभेकर, मंगलाताई राऊत और संगीताताई पानतावणे ने राष्ट्रगान प्रस्तुत कर सभा का समापन किया।

प्रहार जनशक्ति के बाद भवा का शिवसेना में होगा विलय

हितेंद्र ठाकुर को एकनाथ शिंदे का बड़ा ऑफर

मुंबई, २६ मई- महाराष्ट्र में होने जा रहे विधान परिषद के चुनाव केवल खाली सीटों को भरने का जरिया नहीं हैं, बल्कि यह आगामी मुख्य विधानसभा चुनावों से पहले राजनीतिक दलों के लिए अपना शक्ति प्रदर्शन करने का सबसे बड़ा मंच बन चुके हैं। १८ जून को होने वाले मतदान से ठीक पहले, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने पालघर और ठाणे जिले के राजनीतिक समीकरणों को हमेशा के लिए बदलने की दिशा में एक बेहद चौंकाने वाला कदम उठाया है। कोंकण और पालघर पट्टी के कद्दावर नेता हितेंद्र ठाकुर की पार्टी बहुजन विकास अघाड़ी बीवीए को शिवसेना में शामिल करने के लिए शिंदे ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है।

शिवसेना के अंदरूनी सूत्रों के अनुसार, उपमुख्यमंत्री शिंदे अपने वोट बैंक को मजबूत करने और ठाणेपालघर बेल्ट में अपनी एकतरफा बादशाहत कायम करने के लिए यह रणनीति चल रहे हैं। प्रस्ताव के तहत, यदि हितेंद्र ठाकुर अपनी पार्टी का विलय शिवसेना में करते हैं, तो उनके बेटे और पूर्व विधायक क्षितिज ठाकुर को ठाणे स्थानीय निकाय निर्वाचन क्षेत्र से विधान परिषद भेजा जाएगा। यह सीट अब तक शिंदे के बेहद करीबी माने जाने वाले रवींद्र फाटक के पास थी, जिनका कार्यकाल समाप्त हो चुका है। गौरतलब है कि महाराष्ट्र के इतिहास में यह पहली बार है जब स्थानीय निकायों (नगर निगमों और जिला परिषदों) के चुनाव समय पर न होने के कारण विधान परिषद की ये २२ में से १७ सीटें पिछले ढाई वर्षों से खाली पड़ी थीं। चुनाव नियमों के अनुसार, यदि किसी स्थानीय निकाय निर्वाचन क्षेत्र में कुल निर्वाचित प्रतिनिधियों (मतदाताओं) की संख्या ७५ प्रतिशत या उससे अधिक हो, तो वहां चुनाव कराए जा सकते हैं। इसी तकनीकी आधार पर चुनाव आयोग ने सोलापुर, अहिल्यानगर, ठाणे, जलगांव, नांदेड़, पुणे और नासिक समेत कुल १७ जिलों में चुनाव कराने का फैसला लिया है। इस चुनाव की गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि खाली हुई १७ सीटों में से अधिकांश पर महायुति और महाविकास अघाड़ी के बड़े दिग्गजों का कब्जा था। पिछली बार सोलापुर से प्रशांत परिचारक (भाजपा), अहिल्यानगर से अरुण काका जगताप , ठाणे से रवींद्र फाटक (शिवसेना), जलगांव से चंदूभाई पटेल (भाजपा), सांगलीसतारा से मोहनराव कदम (कांग्रेस), नांदेड़ से अमर राजुरकर (कांग्रेस), यवतमाल से दुष्यंत चतुर्वेदी (शिवसेना) और नागपुर से चंद्रशेखर बावनकुले (भाजपा) जैसे कद्दावर नेता प्रतिनिधित्व कर रहे थे। चुनाव आयोग द्वारा घोषित आधिकारिक कार्यक्रम के अनुसार, इस महामुकाबले के लिए २५ मई को आधिकारिक अधिसूचना जारी कर दी गई है। उम्मीदवार १ जून तक अपना नामांकन पत्र जमा कर सकते हैं, जबकि २ जून को पर्चों की जांच की जाएगी। नाम वापस लेने की अंतिम तिथि ४ जून तय की गई है। इसके बाद १८ जून को सुबह से दोपहर तक मतदान होगा और २२ जून को मतों की गिनती के साथ ही यह साफ हो जाएगा कि उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का यह विलय कार्ड कितना सफल रहा है।

लखनऊ आगरा एक्सप्रेसवे पर भीषण हादसा

दिल्ली, २६ मई- दिल्ली से बिहार जा रही एक तेज रफ्तार डबल डेकर एसी बस मंगलवार सुबह उन्नाव के पास लखनऊआगरा एक्सप्रेसवे पर पलट गई। इस दर्दनाक हादसे में एक दरोगा और एक कैदी समेत ६ लोगों की मौत हो गई है, जबकि १५ अन्य यात्री घायल हुए हैं। उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में मंगलवार तड़के एक हृदयविदारक सड़क हादसा हुआ। लखनऊ आगरा एक्सप्रेसवे पर यात्रियों से भरी एक डबल डेकर एसी बस अनियंत्रित होकर पलट गई। यह दुर्घटना औरास थाना क्षेत्र में किलोमीटर संख्या २६२ के पास सुबह करीब ५ बजे हुई। हादसे के समय बस में करीब ३० यात्री सवार थे, जिनमें से अधिकांश गहरी नींद में थे।

पुलिस की शुरुआती जांच और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस की रफ्तार काफी तेज थी। चालक को अचानक नींद की झपकी आने के कारण उसने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया, जिसके बाद बस डिवाइडर से टकराकर पलट गई और रेलिंग पर लटक गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कई यात्री खिड़कियों से सीधे एक्सप्रेसवे के नीचे जा गिरे। इस दौरान एक यात्री का पैर कटकर शरीर से अलग हो गया।

इस भीषण हादसे में पांच लोगों की जान चली गई है। मृतकों में बिहार के सीवान पुलिस लाइन में तैनात दरोगा रामचंद्र राम (५९) और गुरुग्राम निवासी कैदी छत्तरपाल सिंह तोमर (५९) की पहचान हुई है।

१७ राज्यों में आंधी बारिश का अलर्ट, ८० किमी की रफ्तार से चलेंगी हवाए

मुंबई, २६ मई- देश के कई हिस्सों में पड़ रही भीषण गर्मी के बीच मौसम एक बार फिर करवट लेने वाला है। मौसम विभाग ने उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और मध्य प्रदेश समेत १७ राज्यों में आंधीबारिश होने का अलर्ट जारी किया है। इस दौरान करीब ७० से ८० किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं।

कब मिलेगी गर्मी से राहत?

मौसम विभाग के अनुसार, पूर्वोत्तर भारत के असम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश में अगले कुछ दिनों तक तेज बारिश, आंधी और बिजली गिरने की संभावना है। दक्षिण भारत में केरल, तमिलनाडु और कर्नाटक के कई हिस्सों में भी भारी से बहुत भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, दक्षिणपश्चिम मानसून के अंडमान सागर के शेष हिस्सों और बंगाल की खाड़ी में आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल बनी हुई हैं।

राजधानी दिल्ली में फिलहाल भीषण गर्मी से राहत के संकेत कम हैं। मौसम विभाग ने २६ से २८ मई तक दिल्ली में लू का अलर्ट जारी किया है और इस दौरान आसमान साफ रहेगा। हालांकि, २८ मई की दोपहर बाद मौसम बदल सकता है और ४० से ५० किमी की रफ्तार से तेज हवाएं चलने के साथ आंशिक रूप से बादल छा सकते हैं। दिल्ली का अधिकतम तापमान ४३ डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। उत्तर प्रदेश के लखनऊ वाराणसी और आगरा जैसे जिलों में २७ मई को तेज हवाओं के साथ बारिश होने की संभावना है, जबकि २८ से ३१ मई के बीच ७० किमी की रफ्तार से आंधीतूफान आ सकता है। बिहार के पटना और गया समेत कई जिलों में २६ से २९ मई के दौरान तेज आंधी और २६२७ मई को बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। दूसरी ओर, राजस्थान में ३० मई तक लू का प्रकोप जारी रहेगा, हालांकि २९ मई से वहां भी कुछ इलाकों में आंधीबारिश की उम्मीद है।

२८ मई से एक नया पश्चिमी विक्षोभ उत्तरपश्चिमी भारत को प्रभावित कर सकता है। इसके परिणामस्वरूप २८२९ मई से उत्तरपश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत में तापमान में २ से ८ डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट आ सकती है। उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के पहाड़ी जिलों में २९ मई को ओलावृष्टि की भी संभावना जताई गई है। झारखंड में भी २६ से ३१ मई के दौरान गरजचमक के साथ भारी बारिश होने के आसार हैं।

२० साल की सजा, फिर भी बार बार पैरोल! राम रहीम के बाहर आने पर उठे बड़े सवाल

मुंबई, २६ मई- साध्वी यौन शोषण मामले में २० साल की सजा काट रहे डेरा प्रमुख गुरमीत सिंह को एक बार फिर से पैरोल मिली है। इस बार वह ३० दिन के पैरोल पर बाहर आया है। आज सुबह ६: ३० बजे वह कड़ी सुरक्षा के बीच जेल से बाहर आया। पैरोल पर बाहर आने के बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर आ गई हैं। डेरा के आसपास कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की जा रही है। इसके पहले ५ जनवरी, २०२६ को भी ४० दिन की पैरोल मिल चुकी है। इस साल यह उसकी दूसरी पैरोल है।

इसके पहले १५ बार पैरोल मिल चुकी है। यह १६वीं पैरोल है। इसके पहले डेरा प्रमुख छत्रपति हत्याकांड और रणजीत हत्याकांड में अदालत से बरी हो चुका है। इसी साल सात मार्च को को ही पंजाब और हरियाणा हाइकोर्ट द्वारा छत्रपति हत्याकांड गुरमीत को बरी किया गया था। इसके बाद अब उसने साध्वी यौन शोषण मामले में हाईकोर्ट में भळ की विशेष अदालत के खिलाफ याचिका दायर की थी। बता दें, यौन शोषण मामले में दोषी पाए जाने के बाद से अब तक राम रहीम कुल ४०६ दिन जेल से बाहर रहा है। राम रहीम को २०१७ में दो अनुयायियों के साथ रेप मामले में अदालत ने २० साल की सजा सुनाई गई थी।

स्कूल बस संचालकों ने मांगी सरकारी सब्सिडी

सिंगल शिफ्ट सिस्टम लागू करने की अपील

मुंबई, २६ मई- स्कूलों के नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत से पहले लगातार बढ़ती डीजल कीमतों ने स्कूल बस संचालकों की चिंता बढ़ा दी है। बढ़ते ईंधन खर्च, वाहन रखरखाव समेत अन्य कारणों से स्कूल बस ऑपरेटर्स आर्थिक दबाव में आ गए हैं। ऐसे हालात में स्कूल बस ओनर्स एसोसिएशन ने सरकार से राहत पैकेज और सब्सडी देने की मांग की है। कहा गया है कि यदि जल्द राहत नहीं मिली, तो स्कूल बस परिवहन शुल्क बढ़ाना मजबूरी बन सकता है। वहीं, परिवहन खर्च कम करने और अभिभावकों पर अतिरिक्त बोझ टालने के लिए स्कूलों से सिंगल शिफ्ट सिस्टम अपनाने की अपील भी की गई है। स्कूल बस ओनर्स एसोसिएशन के अनुसार स्कूल बस ऑपरेटर्स पहले से ही वाहन रखरखाव, बीमा प्रीमियम, परमिट शुल्क, कर्मचारियों के वेतन और अन्य प्रशासनिक खर्चों का भारी बोझ उठा रहे हैं। अब डीजल की बढ़ती कीमतों ने उनकी आर्थिक परेशानी और बढ़ा दी है। हालांकि, एसबीओए ने साफ किया है कि वह अभिभावकों और विद्यार्थियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ नहीं डालना चाहता। इसी कारण संगठन ने स्कूलों और सरकार के सामने कुछ व्यावहारिक सुझाव रखे हैं, ताकि बिना बस शुल्क बढ़ाए खर्च को नियंत्रित किया जा सके। एसोसिएशन ने स्कूलों से हाइब्रिड शिक्षण प्रणाली अपनाने की अपील की है। इसके तहत सप्ताह में तीन दिन फिजिकल क्लास और दो दिन ऑनलाइन क्लास आयोजित करने का सुझाव दिया गया है। संगठन का कहना है कि इससे स्कूल बसों का रोजाना संचालन कम होगा और ईंधन की बचत के साथ परिचालन खर्च भी घटेगा, इसके अलावा एसबीओए ने स्कूलों से सिंगल शिफ्ट ट्रांसपोर्ट सिस्टम लागू करने का आग्रह किया है। स्कूल बस ऑपरेटर्स राज्यभर में लाखों विद्यार्थियों की सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे में सरकार, स्कूल प्रबंधन और परिवहन संचालकों को मिलकर ऐसा समाधान निकालना चाहिए, जिससे अभिभावकों पर अतिरिक्त बोझ न पड़े और स्कूल बस सेवाएं भी प्रभावित न हो। संगठन का कहना है कि अलगअलग समय पर कई शिफ्ट चलने से बसों को कई बार चक्कर लगाने पड़ते हैं, जिससे ईंधन और खर्च दोनों बढ़ते हैं। यदि एक समान पिकअप और ड्रॉप समय तय किया जाए, तो बसों के फेरे कम होंगे और खर्च में बड़ी कमी आएगी, एसोसिएशन का मानना है।

जैसलमेर में गौ सेवा की शर्मनाक तस्वीर

डंपिंग यार्ड में मिलीं ५०० से ज्यादा गायों की लाशें, जिम्मेदार कौन?

जैसरमेल, २६ मई- राजस्थान के जैसलमेर जिले से एक ऐसी भयावह तस्वीर सामने आई है जिसने न केवल सरकारी व्यवस्थाओं, बल्कि समाज के गौ संरक्षण के दावों पर भी गहरे सवाल खड़े कर दिए हैं। जिला मुख्यालय से करीब ७ किलोमीटर दूर रामगढ़ मार्ग पर स्थित नगर परिषद के डंपिंग यार्ड में सैकड़ों की संख्या में गायों के शव खुले में पड़े मिले हैं। सोशल मीडिया पर इस मंजर का वीडियो वायरल होने के बाद स्थानीय लोगों और गो प्रेमियों में भारी नाराजगी है, जो लंबे समय से मृत पशुओं के उचित निस्तारण न होने की शिकायत कर रहे थे। डंपिंग यार्ड में शवों के जमा होने का मुख्य कारण नगर परिषद द्वारा अधिकृत ठेकेदार की घोर लापरवाही को बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, ठेकेदार समय पर मृत पशुओं का निस्तारण करने में विफल रहा, जिससे शवों का ढेर लग गया और पूरे इलाके में दुर्गंध फैल गई। गो प्रेमियों का कहना है कि जिस गौ माता को पूजने की बातें मंचों से की जाती हैं, उन्हें इस तरह कचरे में सड़ने के लिए छोड़ देना बेहद शर्मनाक और विचलित करने वाला दृश्य है।

मामला तूल पकड़ते ही प्रशासन हरकत में आया है। जैसलमेर जिला कलेक्टर अनुपमा जोरवाल ने इस पूरी घटना पर अधिकारियों से तथ्यात्मक रिपोर्ट तलब की है। वहीं, नगर परिषद आयुक्त लजपाल सिंह सोढा ने कड़ी कार्रवाई करते हुए लापरवाही बरतने वाले ठेकेदार गोपाराम को कारण बताओ नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा है। नगर परिषद ने दावा किया है कि अब डंपिंग यार्ड से इन शवों को हटाकर उनका विधिवत निस्तारण कर दिया गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि गौशालाओं की बदहाली, चारेपानी की कमी और बीमार गायों के समय पर उपचार न होने जैसी जमीनी समस्याओं का समाधान किए बिना केवल दावों से कुछ नहीं होगा। प्रशासन से मांग की जा रही है कि वे भविष्य में ऐसी अमानवीय घटनाओं को रोकने के लिए ठोस और प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करें।

बतौर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूरे किए १२ साल, सीएम योगी ने खास अंदाज में दी बधाई

दिल्ली, २६ मई- सीएम योगी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को विश्व का सर्वाधिक लोकप्रिय राजनेता बताते हुए उनके नेतृत्व में हुए सांस्कृतिक और आर्थिक बदलावों की सराहना की है। इसके साथ ही सीएम योगी ने पीएम को भारत का नया शिल्पकार भी कहा है। १२ साल पहले आज के ही दिन २६ मई २०१४ को नरेंद्र मोदी ने देश के १५वें प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी और आज उन्होंने अपने कार्यकाल के १२ साल पूरे कर लिए हैं। इस विशेष अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन्हें प्रधान सेवक के रूप में सेवा, सुशासन और लोककल्याण को समर्पित इन गौरवशाली वर्षों के लिए हार्दिक बधाई दी है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए प्रधानमंत्री के नेतृत्व की प्रशंसा की। सीएम योगी ने अपने संदेश में इस बात पर जोर दिया कि इन १२ वर्षों में गरीब कल्याण को शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता मिली है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में अंत्योदय की अवधारणा अब आत्मनिर्भरता की शक्ति में बदल चुकी है। इसके अतिरिक्त, जनभागीदारी ने विकास को एक जनआंदोलन का रूप दे दिया है, जिससे देश के नागरिक विकास की प्रक्रिया में सीधे भागीदार बने हैं। मुख्यमंत्री के अनुसार, पीएम मोदी की दृष्टि ने एक ऐसे नए भारत का निर्माण किया है जहां नारी सशक्तीकरण, नवाचार, आर्थिक प्रगति और सांस्कृतिक पुनर्जागरण साथसाथ आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने सीमाओं की सुरक्षा और आतंकवाद के विरुद्ध भारत के निर्णायक रुख का जिक्र करते हुए कहा कि आज भारत विश्व मंच पर एक सशक्त और विश्वसनीय नेतृत्व के रूप में स्थापित है। डिजिटल, डेमोग्राफी और डेमोकेसी की त्रिवेणी अब विकसित भारत २०४७ के लक्ष्य को नई गति प्रदान कर रही है।

अपने संदेश में सीएम योगी ने केंद्र सरकार की उन प्रमुख योजनाओं का विशेष उल्लेख किया जिन्होंने आम आदमी के विश्वास को मजबूत किया है। इनमें प्रधानमंत्री आवास, जनधन, आयुष्मान भारत, उज्ज्वला और स्वनिधि जैसी प्रमुख योजनाएं शामिल हैं, जिन्होंने विकास को सीधे जनजीवन तक पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि यही अटूट विश्वास सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के संकल्प को साकार कर रहा है।

कोलकाता एयरपोर्ट मस्जिद पर जमीयत उलेमा की दोटूक

बोले मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की राय के बिना कुछ नहीं

कोलकाता, २६ मई- कोलकाता हवाई अड्डे परिसर में स्थित १३६ साल पुरानी मस्जिद को स्थानांतरित करने के निर्णय पर राज्य जमीयत उलेमाएहिंद के अध्यक्ष सिद्दीकुल्लाह चौधरी ने कड़ा विरोध जताया है। पश्चिम बंगाल सरकार में पूर्व मंत्री और राज्य जमीयत उलेमाएहिंद के अध्यक्ष सिद्दीकुल्लाह चौधरी के अनुसार, इस मामले में कोई भी निर्णय अल्पसंख्यक संगठनों के साथ चर्चा के बाद ही लिया जाएगा। सिद्दीकुल्लाह चौधरी ने कहा, हमने उनसे साफ कहा है कि मुसलमान अपने हाथों से मस्जिद न तो तोड़ेंगे और न ही उसे किसी को सौंपेंगे। समाधान के लिए हमने कहा कि मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड, जमीयत उलेमाएहिंद और दारुल उलूम देवबंद जैसे मान्यता प्राप्त संगठन इस पर राय दें। यदि कोई समाधान निकलेगा तो उन्हीं के माध्यम से निकलेगा। हम यहां रहते हैं और अगर हमसे मस्जिद तोडने के लिए कहा जाएगा तो यह स्वीकार नहीं होगा। कोलकाता हवाई अड्डे के रनवे के पास स्थित मस्जिद को दूसरी जगह ले जाने के मामले पर पूर्व मंत्री सिद्दीकुल्ला चौधरी ने मीडिया से बात कर अपना पक्ष रखा है। उनका कहना है कि समस्या यह है कि १९६२ के बाद से अब ६३ साल बीत चुके हैं। आपने सही तरीके से बात नहीं की। १० साल पहले हमने हवाई अड्डा प्राधिकरण से बात की थी और अब १० साल बाद वे एक बैठक कर रहे हैं। हवाई अड्डा प्राधिकरण, भझख सुरक्षा निदेशक, भ ये सब लोग वहां मौजूद थे। पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन के साथ ही मस्जिद को शिफ्ट करने की कोशिशों ने रफ्तार पकड़ ली है। कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के रनवे के पास स्थित यह मस्जिद १३६ साल पुरानी है।

चिमूर में रेत माफियाओं का साम्राज्य!

उमा नदी से दिनरात करोड़ों की अवैध रेत चोरी | प्रशासन मौन, पर्यावरण पर मंडरा रहा बड़ा खतरा

संवाददाता, विदर्भ की दहाड

चिमूर, २६ मई- चिमूर तहसील में इन दिनों रेत माफियाओं का ऐसा साम्राज्य खडा हो गया है, जिसने प्रशासनिक व्यवस्था पर ही गंभीर सवाल खडे कर दिए हैं। उमा नदी के पात्र से दिनरात बड़े पैमाने पर अवैध रेत उत्खनन किए जाने का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि राजस्व विभाग और पुलिस प्रशासन की कथित निष्क्रियता के कारण रेत माफियाओं के हौसले इस कदर बढ़ गए हैं कि अब खुलेआम नदी का सीना छलनी किया जा रहा है।

सूत्रों के अनुसार, उमा नदी क्षेत्र से ट्रैक्टर, हायवा और अन्य भारी वाहनों के जरिए प्रतिदिन हजारों ब्रास रेत निकाली जा रही है। यह रेत सरकारी और निजी निर्माण कार्यों में बड़े पैमाने पर इस्तेमाल की जा रही है। हैरानी की बात यह है कि जहां एक ओर शासन की विभिन्न योजनाओं के तहत गरीबों को रियायती अथवा निःशुल्क रेत उपलब्ध कराने के दावे किए जाते हैं, वहीं दूसरी ओर वास्तविक लाभार्थी आज भी रेत के लिए भटकते नजर आ रहे हैं।

विशेष रुप से प्रधानमंत्री आवास योजना और घरकुल योजना के लाभार्थियों को पांच ब्रास रेत उपलब्ध कराने की मांग कई बार उठाई गई, लेकिन अनेक जरुरतमंद परिवारों को अब तक रेत नहीं मिल सकी। मजबूरी में गरीब परिवारों को बाजार से ऊंचे दामों पर कथित तौर पर चोरी की रेत खरीदनी पड़ रही है। इससे गरीबों पर आर्थिक बोझ बढ़ता जा रहा है, जबकि अवैध कारोबारियों की चांदी हो रही है।

उमा नदी की वर्तमान स्थिति देखकर साफ प्रतीत होता है कि नदी पात्र को बड़े पैमाने पर खोद डाला गया है। जगह-जगह विशाल गड्ढे बन चुके हैं। उसेगांव और सोनेगांव गावंडे क्षेत्र के नदी पात्रों की हालत ऐसी हो गई है मानो वहां किसी बड़े खनन परियोजना का कार्य चल रहा हो। लगातार हो रहे अवैध उत्खनन के कारण नदी का प्राकृतिक प्रवाह प्रभावित हो रहा है, जिससे पर्यावरण संतुलन बिगडने का खतरा तेजी से बढ़ रहा है।

पर्यावरण विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इसी तरह नदी से अनियंत्रित रेत निकासी जारी रही, तो भविष्य में भूजल स्तर गिरने, नदी किनारों के कटाव, जैव विविधता को नुकसान तथा बाढ़ जैसी समस्याओं का गंभीर खतरा पैदा हो सकता है। इसके अलावा नदी के आसपास बसे गांवों की सुरक्षा भी खतरे में पड़ सकती है।

स्थानीय नागरिकों के अनुसार, रात के समय बड़े पैमाने पर रेत की तस्करी होती है। रातभर ट्रैक्टर और हायवा वाहनों की आवाजाही जारी रहती है, लेकिन संबंधित विभागों द्वारा कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की जाती। नागरिकों का आरोप है कि कई बार शिकायतें करने के बावजूद अवैध उत्खनन पर रोक लगाने में प्रशासन पूरी तरह विफल साबित हुआ है।

इस पूरे मामले को लेकर अब राजस्व विभाग और पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। लोगों का कहना है कि बिना किसी संरक्षण के इतने बड़े स्तर पर अवैध रेत कारोबार संभव नहीं हो सकता। यही कारण है कि अब आम नागरिकों में प्रशासन के प्रति आक्रोश बढ़ता जा रहा है। चिमूर तालुका में फैलते इस अवैध रेत कारोबार को लेकर अब नागरिकों ने नवनियुक्त जिलाधिकारी से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि जल्द कठोर कार्रवाई नहीं की गई, तो आने वाले समय में उमा नदी का अस्तित्व ही खतरे में पड़ सकता है। साथ ही पर्यावरणीयसंकट और कानून व्यवस्था की समस्या भी गंभीर रुप ले सकती है। अब सबकी नजर प्रशासन की अगली कार्रवाई पर टिकी हुई है कि आखिर रेत माफियाओं के इस खुले खेल पर लगाम कब लगेगी।

घरफोडी में लाखों का माल पार

मोर्शी, २६ मई - जिले के मोर्शी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पाडा निवासी भीमराव मधुकर सावलकर के बंद घर को निशाना बनाते हुए नकद ५ हजार सहित कुल १ लाख ६० हजार रुपये के जेवरात पर अज्ञात व्दारा हाथ साफ करने की घटना सामने आई है। शिकायतकर्ता भीमराव सहपरिवार नागपुर गए थे। अज्ञात ने उनके घर के मुख्य व्दार पर लगा ताला तोडकर घर में रखे नकद ५ हजार रुपये, ५ ग्राम वजनी, अंगुठी, ५ ग्राम वजनी मंगलसुत्र पर हाथ साफ कर दिया।

३ कार्रवाई में २८ गौवंश को जीवनदान

प्रतिनिधि, विदर्भ की दहाड़

अमरावती, २६ मई - आगामी दिनों में आने वाले बकरीद के त्यौहार तथा गुंडातत्वों की खोज खबर लेने व अवैध धंधों पर नजर रखने के उद्देश्य से क्राईम ब्रांच की टीम शहर के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में की जा रही पेट्रोलिंग के दौरान गुप्त जानकारी के आधार पर २८ गौवंश को जीवनदान दिया गया। जब्त किए गए गौवंश की कीमत ८ लाख ६५ हजार रुपये बताई गई है।

इस संदर्भ में मिली जानकारी के मुताबिक क्राईम ब्रांच के मुखिया की ओर से अवैध धंधों पर नजर रखने के लिये अपने मातहत कर्मियों की चार अलग-अलग टीम बनाई गई थी। और विशेष मुहिम प्रारंभ की गई। इस दौरान गत रोज बडनेरा थाना क्षेत्र में पेट्रोलिंग के दौरान गुप्त जानकारी के आधार पर चमन नगर के पास आएशा नगर में पिंपरी रोड पर कुर्बानी के कत्ल हेतु गौवंश मवेशी लाए गए है। और उन मवेशियों को झाडियों में निर्दयतापूर्वक बांधकर रखा गया है। इस जानकारी के आधार पर क्राईम ब्रांच की टीम मौका ए वारदात पर पहुंची। जायजा लेने पर गौवंश निर्दयतापूर्वक बांधे हुए पाए गए। जहां छोटे-बडे १७ गौवंश जिनकी कीमत ४ लाख ३० हजार रुपये पंच के समक्ष कब्जे में लिए गये। उन्हे सुरक्षित रुप से पशु वैद्यकिय अधिकारी के हाथों गौरक्षण संस्था दस्तुर नगर को सौंपा गया। तथा अज्ञात के खिलाफ बडनेरा थाने में मामला दर्ज किया गया। दुसरी कार्रवाई गाडगे नगर थाना क्षेत्र की है जहां पेट्रोलिंग के दौरान गुप्त जानकारी के आधार पर पैराडाईज कॉलनी में कुर्बानी के कत्ल हेतु टीन के शेड में निर्दयतापूर्वक बांधकर रखे गये ६ गौवंश जिनकी कीमत २ लाख ४० हजार रुपये इन मवेशियों को पंच के समक्ष कब्जे में लिया गया। तथा मेडिकल जांच के बाद गौरक्षण संस्था दस्तुरनगर को सौंपा गया। तीसरी कार्रवाई नागपुरी गेट थाना क्षेत्र के है जहां मुखबिर से मिली गुप्त जानकारी के आधार पर हैदरपुरा से शोएब अहमद नामक युवक व्दारा कत्ल के लिये रखे गए ५ छोटे बडे गौवंश को कब्जे में लेकर पशु वैद्यकीय अधिकारी के हाथों गौरक्षण संस्था को सौंपा गया। आरोपी के खिलाफ प्राणी निर्दयता नियम के अनुसार मामला दर्ज किया गया।

८ लाख का माल जब्त

उपरोक्त कार्रवाई पुलिस आयुक्त राकेश ओला, डीसीपी शाम घुगे, रमेश धुमाळ, एसीपी शिवाजी बचाटे के मार्गदर्शन में क्राईम ब्रांच निरीक्षक संदिप चव्हाण के नेतृत्व में एपीआय मनिष वाकोडे, महेश इंगोले, दशरथ आडे, पीएसआय गजानन सोनुने, कर्मी सुनील लासुरकर, फिरोज खान, सतिष देशमुख, दिपक सुंदरकर, गजानन ढेवले, मनोज ठोसर, मंगेश लोखंडे, मंगेश परिमल, आस्तिक देशमुख, संभाजी केंद्रे, जहिर शेख, सचिन बहाडे, नईम बेग, नाजिम सैय्यद, विकास गुडधे, अतुल संभे, विशाल वाकपांजर, सागर ठाकरे, रंजीत गावंडे, राजिक रायलिवाले, सुरज चव्हाण, निखिल गेडाम, योगेश पवार, चेतन गुल्हाने, चेतन शर्मा, राहुल दुधे, संदिप खंडारे, सुयोग काळबांडे ने की

रेती बंद रहने से सैकडो बेरोजगार

प्रतिनिधि, विदर्भ की दहाड

अमरावती, २६ मई - पिछले एक माह से रेती बंद रहने से वाहन चालक, मालक व मजदूरो का रोजगार बंद हुआ है। वाहन चालक रेती ढुलाई करता है वह माफिया न रहने की दलिल प्रेसवार्ता के माध्यम से दी गई।

रेती कारोबार से जुडे चालक-मालक ने बताया की वाहनो की किस्त रूक गई है। सरकारी अधिकारी रेती ढुलाई मे बाधक बने है। जो बिना रॉयल्टी रेती की ढुलाई करते है उन पर कडी कार्रवाई करे। जहा से रेती लायी वहा के घाट मालिक व सरकारी अधिकारीयो पर कार्रवाई की जाये। रॉयल्टी रहने पर भी प्रशासन वाहन जप्त कर लेता है। सरकारी अधिकारी मनमानी करते है। गजानन कालबांडे के दो वाहन प्रशासन ने जप्त किये थे। नागपुर हायकोर्ट के निर्देश से वह वाहन छोडे गये। रॉयल्टी रहनेवाले वाहनो को पकडने का अधिकार पुलिस को नही। हायकोर्ट के स्पष्ट निर्देश रहने पर भी पुलिस हस्तक्षेप करता है। अगर वाहक और चालक प्रतिरोध करते है तो सरकारी काम मे बाधा का झुठा अपराध दर्ज किया जाता है। प्रशासन को निष्पक्ष कार्रवाई कर न्याय की गुहार लगाई। प्रेसवार्ता मे सचिन भोपळे, पंकज देशमुख, गोपाल धर्माले, मिलींद जंवजाल, करिम लालुवाले उपस्थित थे।

चालक-मालक का आरोप

मोदी सरकार के खिलाफ कांग्रेस आक्रमक, इंधन दरवृध्दी का किया निषेध

प्रतिनिधि, विदर्भ की दहाड

अमरावती, २६ मई - केंद्र के नरेंद्र मोदी प्रणित भाजपा सरकार ने पिछले ४ दिनो मे पेट्रोल व डिजल के दामो मे ७ रूपये की वृध्दी की। यह आम जनता की सीधे- सीधे लुट है। कांग्रेस ने मंगलवार की सुबह राजकमल चौक पर विरोध प्रदर्शन करते हुए इंधन दरवृध्दी का निषेध व्यक्त किया।

कांग्रेस ने आरोप लगाया की इंधन दरवृध्दी से महंगाई मे आग लग चुकी है। शहर व ग्रामिण मे पेट्रोल व डिजल की कुत्रिम किल्लत से लंबी कतारे लगी है। इंधन न मिलने से व्यवसाय पर फरक पड रहा है। इंधन दरवृध्दी और किल्लत दूर ना की गई तो कांग्रेस ने आक्रमक आंदोलन करने की चेतावनी दी। इस अवसर पर काँग्रेस शहराध्यक्ष बबलु शेखावत, मनपा नेता प्रतिपक्ष विलास इंगोले, पूर्व महापौर मिलिंद चिमोटे, पार्षद विक्की वानखडे, युवक काँग्रेस के निलेश गुहे, नितीन काळे, अनिकेत ढेंगळे, महिला काँग्रेस अध्यक्षा जयश्री वानखडे, प्रदेश उपाध्यक्ष भैय्या पवार, विनोद मोदी, राजेंद्र वर्मा, संजय चौधरकर, सलीम मिरावाले, अरुणकुमार जैस्वाल, अशोक डोंगरे, अभिनंदन पेंढारी, गजानन जाधव, गजानन राजगुरे, विठ्ठल मरापे, संजय बोबडे, अमोल उगे, अरुण बनारसे, संदेश सिंघई, शिल्पा राऊत, कांचन खोडके, शिरीन खान, जयश्री मरापे, किरण चांदवडकर, डॉ.अर्चना आत्राम, प्रथमेश गावंडे, अनिकेत क्षीरसागर, चेतन खोपे, कार्तिक कडुकर, प्रकाश नगराळे, शेखर सुरमवार, अशफाक खान, रफीक भाई चिकुवाले, सुरेश रतावा, राजीव भेले,प्रशांत महल्ले, मोहन पुरोहित, श्रीधर पुरोहित सहीत अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

तिव्र नारेबाजी

आंदोलन दौरान कांग्रेसीयो ने तिव्र नारेबाजी की। मोदी सरकार मुर्दाबाद, जनता लुटणारे मुर्दाबाद, पेट्रोल डिझेल महागाई, मोदी सरकार हटाओ, मोदी जनता की लूट बंद करो, जनता की आवाज सुनो, लूट का बाजार बंद करो, मोदी सरकार हटाओ, किती लुटणार मोदी? आता बस्स करो मोदी ऐसे नारे लगाकर सरकार का निषेध किया।

पृष्ठ १ से जारी ....

औंढा नागनाथ भक्त निवास में ...

मौत हो गई होगी। हालांकि पुलिस ने अभी किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से इनकार किया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि ज्ञानेश्वर कदम कुछ समय से एक बीमारी से भी पीडित थे। परिवार की ओर से भी उनके स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी गई है। फिलहाल पुलिस हर पहलू से मामले की जांच कर रही है। मृतक अधिकारी के शव का औंढा नागनाथ उपजिला अस्पताल में पोस्टमार्टम कराया गया। बाद में उनके पैतृक गांव रांजाला में राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। ज्ञानेश्वर कदम अपने पीछे पत्नी, दो बेटियां, एक बेटा और नातीपोतों सहित भरापूरा परिवार छोड़गए हैं। इस घटना से पूरा कदम परिवार गहरे सदमे में है। इस दुखद घटना पर डॉ. निलाभ रोहन ने भी शोक व्यक्त किया और परिवार को हर संभव सहायता देने का आश्वासन दिया है।

बोरव्हा में मवेशी चराने गए ...

वाले स्थानों पर तेंदुए के पदचिह्न भी पाए गए। पिछले एक वर्ष से बटवाडी, तामसी, चिंचोली गणू, पिंपलगांव और मन नदी के किनारे की झाड़ियों में तेंदुए की मौजूदगी समय-समय पर किसानों और ग्रामीणों के ध्यान में आ रही है। इसके चलते किसानों और खेतमजूरों में भय का वातावरण फैल गया है। ग्रामीणों ने बताया कि तेंदुए ने कई बार पालतू पशुओं पर भी हमला किया है। अकोला वन विभाग ने नागरिकों को सतर्क रहने की अपील की है और कहा है कि तेंदुए की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है। इस घटना से क्षेत्र में वन्यजीवों की बढ़ती हलचल को लेकर चिंता का माहौल है और ग्रामीणों ने प्रशासन से सुरक्षा उपाय बढ़ाने की मांग की है।

दिग्रस में खनिज माफियाओं ...

दौरान अधिकारियों ने देखा कि वहां एक बड़ी जेसीबी मशीन और कुछ ट्रैक्टरों की मदद से अवैध रुप से खुदाई कर मुरुम भरा जा रहा था। यवतमाल पुलिस में दर्ज शिकायत के अनुसार, जब अधिकारी पंचनामा लिख रहे थे, तभी जेसीबी के मुख्य चालक ने अचानक मशीन स्टार्ट की और उसे सीधे ख़डे अधिकारियों की दिशा में तेजी से बढ़ा दिया। चालक ने उन्हें मशीन के नीचे कुचलकर जान से मारने का सीधा प्रयास किया। गनीमत रही कि अधिकारियों ने समय रहते फुर्ती दिखाई और सड़क किनारे कूदकर किसी तरह अपनी जान बचाई।

लोहे की रॉड और डंडे लेकर दोबारा धमकाने पहुंचे - राजस्व दल को डराने का यह सिलसिला यहीं नहीं रुका। इस जानलेवा हमले के कुछ ही समय बाद, मुख्य आरोपी नरेंद्र प्रकाश चव्हाण अपने साथ करीब १० से १२ अन्य स्थानीय दबंगों को लेकर चार मोटरसाीकिलों पर सवार होकर वापस घटनास्थल पर लौटा। इन सभी के हाथों में लोहे की भारी रॉड, डंडे और अन्य धारदार हथियार थे। इन लोगों ने सरकारी ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों को सरेआम अश्लील गालियां दीं, उन्हें जान से मारने की सीधी धमकी दी और सरकारी जब्ती की कार्रवाई को जबरन रोकने का प्रयास किया।

महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा नाबालिग ...

की गई। रिपोर्ट के अनुसार १६ से १८ वर्ष आयु वर्ग के किशोर-किशोरियां सबसे अधिक प्रभावित हैं। लापता बच्चों के कुल मामलों में ५१.३ प्रतिशत मामले इसी आयु वर्ग से जुड़े हुए हैं।

पीएम मोदी और फडणवीस...

बिगडता देख जब स्थानीय पुलिस प्रशासन ने प्रदर्शनकारियों को रोकने और हाईवे खाली कराने का प्रयास किया, तो दोनों पक्षों के बीच जमकर धक्कामुक्की और झड़प शुरु हो गई। लगभग दो घंटे तक चले इस भारी तनाव के बाद पुलिस ने बल प्रयोग कर स्थिति को नियंत्रित किया। देश के प्रधानमंत्री और राज्य के मुख्यमंत्री के संवैधानिक पदों पर बैठे व्यक्तियों के लिए इस तरह की अशोभनीय भाषा का इस्तेमाल किए जाने के बाद महाराष्ट्र की राजनीति में महायुति के नेताओं ने कांग्रेस और महाविकास अघाड़ी को आड़े हाथों लिया है। भाजपा प्रवक्ताओं ने इसे कांग्रेस की हताशा और निम्न स्तर की राजनीति करार दिया है। कानून-व्यवस्था बिगाड़ने और हाईवे जाम करने के आरोप में पुलिस ने एनसीपी (शरद पवार गुट) के विधायक रोहित पवार, शिवसेना (यूबीटी) नेता अंबादास दानवे और विवादित बयान देने वाले हर्षवर्धन सपकाल को हिरासत में लेकर आगामी कानूनी कार्रवाई शुरु कर दी है।

बोहरा समाज ने अदा की ईद-उल-अजहा की नमाज

खुशहाली और भाईचारे की मांगी दुआ

प्रतिनिधि, विदर्भ की दहाड

अमरावती, २६ मई - दाऊदी बोहरा समाज की ओर से आज ईद-उल-अजहा का पर्व हर्षोल्लास से मनाया गया। समाज बंधुओ मे उत्साह का माहौल देखने को मिला। आज सुबह बर्तन बाजार स्थित दाऊदी बोहरा मस्जिद मे धर्मगुरू सैय्यदना साहब की रजा से आमिल साहब शेख मुर्तुजा मदारवाला ने सुबह ५.०५ बजे फजर की नमाज अदा करवाई। पश्चात सुर्योदय के बाद ईद का खुतबा अदा करवाया।

विश्व मे चल रहे युध्द को विराम मिले। युध्द से जन व वित्तहानी हो रही है। यह संकट दूर कर अमन बने रहने की दुआ की गई। दुआ के पश्चात मजलिस रखी गई। आमिल साहब ने ईद-उल-अजहा का महत्व बताया। समाज बंधूओ ने एक दूसरे के गले मिलकर मुबारक बाद दी। उसके बाद घरो मे कुरबानी की रसम अदा की गई। इस अवसर पर शेख सादिक गोरावाला, शेख मोहम्मद हुसैन पाटनवाला, शेख तफज्जुल हसनजी, शेख जोएब हुसैन, शेख इफ्तेफाक मिजवान, शेख तैय्यब कॉकरीवाला, शेख अली हुसैन इलेक्ट्रीक वाला, शेख जोएब बंदूकवाला, शेख एहसान कोठावाला, शेख हकीम साबिर, शेख हैदर पायोनीरवाला, मुल्ला हकीममुद्दीन आयनावाला, सब्बीर रायपुरवाला, डॉ.मुस्तफा साबिर, एड.शब्बीर हुसैन, एड.मुर्तुजा आजाद, मुल्ला खोजएमा खुर्रम, कायद मिजवान, अब्दुलाह घडीवाला, मुल्ला कुरैश कायमवाला, युसुफ पाटनवाला, मुल्ला सैदून रामपुरवाला, कलिम चांदूरवाला सहित अनेक समाजबंधु उपस्थित थे।

खबर, लेख, कविताएँ, मनोगत आदि के लिए संपर्क करें..

ईमेल आयडी - amtdahad@gmail.com
मो. नंबर. - ९०२११८२५८५०
जाहिरात के लिए संपर्क - ९४२२६६६८२७, ७९७२४१६१०६
शहर कार्यालय का पत्ता - २०९, २१०, दुसरा माला, ड्रिम्ज लैंडमार्क, राजकमल-राजापेठ रोड, अमरावती. ४४४६०१

धन्यवाद !

पढ़ते रहिए आपका अपना अखबार

सांध्य दैनिक

विदर्भ की दहाड

महानगर का अखबार हूँ... सच लिखता हूँ...

अमरावती

मा.श्री.प्रकाशजी जिवानी